महाबलाय वीराय चिरंजिवीन उद्धते।
हारिणे वज्र देहाय
चोलंग्यितमहाव्यये।।

सांध्य ज्योति दर्पण

www.sandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 303 | जयपुर, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 | मूल्य : 2 रु.

पेज-5 भारतीय टीम आठ साल में...

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि॥

शिव के तांडव के पीछे... पेज-6

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बारां, कोटा, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, टोंक, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, अजमेर, रींगस, श्रीमाधोपुर, खाटूश्यामजी, लक्ष्मणगढ़, चौमूं व कुचामनसिटी में प्रसारित।

महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव का ऐलान आज

दोपहर में चुनाव आयोग बताएगा तारीख

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव का मंगलवार ऐलान हो जाएगा। निर्वाचन आयोग महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनाव के लिए दोपहर में तारीखों की घोषणा करने वाला है।

आयोग दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। इसी के साथ आयोग बताएगा की चुनाव कितने चरणों में होगा और क्या-क्या तैयारियां की जा चुकी हैं।

महाराष्ट्र में काफी दिलचस्प होगा मुकाबला

महाराष्ट्र में इस बार का विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। दरअसल, शिवसेना और एनसीपी दो धड़ों में बंटने के बाद पहले बार विधानसभा चुनावों में आमने-सामने होगी। उद्धव गुट की शिवसेना और शरद पवार गुट की एनसीपी जहां

महा विकास अघाड़ी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेगी तो वहीं शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार गुट की एनसीपी महायुति गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और 48 में से 30 सीटें जीती थीं। भाजपा नीत महायुति गठबंधन ने केवल 17 सीटें जीती थीं। हालांकि, हरियाणा में चुनाव जीतने के बाद भाजपा का जोश फिर हाई होगा।

झारखंड में कम चरणों में हो सकता है चुनाव

झारखंड विधानसभा की 81 सीटों पर चुनाव दो या तीन चरणों में हो सकता है। हालांकि, पिछली बार साल 2019 में विधानसभा चुनाव 5 चरणों में हुए थे। झारखंड में चुनाव 15 नवंबर के बाद हो सकता है। निर्वाचन आयोग ने जब झारखंड का दौरा किया था तो सभी राजनीतिक दलों ने ये सुझाव दिया था कि चुनाव छठ पूजा और बिरसा जयंती एवं राज्य स्थापना दिवस के बाद ही कराए जाएं। साथ ही, सभी ने कम से कम चरणों में चुनाव कराने का सुझाव भी आयोग को दिया था।

राजस्थान की सात सीटों पर होगा फैसला

राजस्थान की दौसा, देवली-उनियारा, सलूम्बर, झुंझुनू, चौरासी, खींवसर, रामगढ़ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों का ऐलान आज हो सकता है।

यूपी में 10 सीटों पर होने हैं उपचुनाव

दो राज्यों के साथ ही चुनाव आयोग यूपी में होने वाले उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान कर सकता है। यूपी में 10 सीटों पर उपचुनाव होना है। इन 10 सीटों में मैनपुरी की करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां, अयोध्या में मिल्कीपुर, गाजियाबाद सदर, खैर(सुरक्षित), मुजफ्फरनगर में मीरापुर और मुरादाबाद में कुंदरकी सीट शामिल हैं।

कांग्रेस एमएलए ने छोड़ा साथ

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका लगा है। इगतपुरी से कांग्रेस विधायक हीरामन भीका खोसकर ने अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का दामन थाम लिया है। खोसकर और उनके समर्थक अजित पवार के आवास पर आधिकारिक रूप से एनसीपी में शामिल हुए।

लारेंस का अगला शिकार मुन्नवर? पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। कॉमेडियन और बिग-बॉस-17 के विनर मुन्नवर फारूकी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मुंबई पुलिस के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया कि उन्होंने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। हालांकि उन्होंने किसी भी गैंग का नाम नहीं लिया। ऐसा माना जा रहा है कि पिछले सप्ताह दिल्ली में हुई एक घटना की वजह से मुन्नवर फारूकी की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

फारूकी एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली गए थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उनकी जान को खतरा बताया। फारूकी को पुलिस सुरक्षा में मुंबई वापस भेज दिया गया। मुंबई पुलिस को भी इसकी जानकारी दे दी गई थी और सुरक्षा बढ़ाने के लिए के कहा गया था।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पुलिस अलर्ट

66 वर्षीय एनसीपी नेता की मुंबई के बांद्रा ईस्ट में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गोलीबारी के कुछ घंटों बाद कुख्यात बिश्नोई गिरोह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हत्या की जिम्मेदारी ली थी। केंद्रीय एजेंसियां अब इस पोस्ट की जांच कर रही है, जो कथित तौर पर शुबू लोनकर के फेसबुक अकाउंट से जुड़ी है। सूत्रों के मुताबिक यह वास्तव में शुभम रामेश्वर लोनकर हो सकता है जो बिश्नोई गिरोह का सहयोगी है।

मस्जिद के अवैध निर्माण हटाने पर लगी रोक

मंडी, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। मंडी की जेल रोड मस्जिद के अवैध निर्माण मामले में मुस्लिम पक्ष को स्थगनादेश मिल गया है। मुस्लिम पक्ष ने 13 सितंबर के निगम आयुक्त न्यायालय के निर्णय को प्रधान सचिव शहरी निकाय व नगर नियोजन के न्यायालय में चुनौती दी थी। अगली सुनवाई 20 अक्टूबर को होगी। निगम कार्यालय को मामले से संबंधित रिकॉर्ड तीन दिन के अंदर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय ने यह भी आदेश दिए हैं कि मामले की अगली सुनवाई तक निगम 13 सितंबर के निर्णय पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करेगा। निगम आयुक्त न्यायालय के निर्णय को चुनौती देते हुए एहले इस्लाम मुस्लिम वेलफेयर कमेटी के प्रधान नहिम अहमद ने दावा जताया है कि 1936 के राजस्व रिकॉर्ड में मस्जिद खसरा नंबर 478 में दर्ज थी।

उप चुनाव के लिए कांग्रेस प्रभारी नियुक्त

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। राज्य में उपचुनाव वाली 7 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने मंगलवार को प्रभारियों के नाम का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने 3 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें चिरंजीव राव, रुत्विक मकवाना और पूनम पासवान का नाम शामिल है। आदेश के अनुसार एक सप्ताह पहले हरियाणा में विधानसभा चुनाव हारे चिरंजीव राव राजस्थान की झुंझुनू, खींवसर और रामगढ़ विधानसभा में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी तरह रुत्विक मकवाना सलूंबर और चौरासी विधानसभा में अहम जिम्मेदारी निभाएंगे वहीं पूनम पासवान दौसा और देवली-उनियारा विधानसभा सीट की जिम्मेदारी देखेंगी।

मोदी ने किया इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन किया। इसका आयोजन राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपन में किया जा रहा है। यह इंडिया मोबाइल कांग्रेस का आठवां संस्करण है, जिसमें भारत समेत दुनियाभर के कई टेक स्टार्ट-अप कंपनियां अपनी-अपनी अनोखी और इनोवेटिव टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन करेगी।

गिरने लगा है रात का पारा

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। प्रदेश में अगले एक पखवाड़े में सर्दी की रंगत परवान चढ़ने वाली है। प्रदेश के कई जिलों में अब दिन में पारा सामान्य के आस पास दर्ज होने लगा है वहीं रात के तापमान में भी गिरावट से गुलाबी सर्दी का असर लोगों को सुबह शाम में महसूस होने लगा है। प्रदेश में शेखावाटी अंचल में गुलाबी सर्दी की रंगत लगातार बढ़ने लगी है और बीती रात अंचल में मौसम का मिजाज माउंट आबू से भी ज्यादा सर्द रहा है। अरब सागर में बने रहे चक्रवाती तंत्र का असर भी प्रदेश के मौसम में दिखाई दे रहा है जिसके चलते आज भी कई जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग जता रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के उत्तर पूर्व और उत्तरी इलाकों में कम वायुदाब क्षेत्र सक्रिय है। हालांकि अब भी पश्चिमी इलाकों में मौसम शुष्क है और दिन में पारा सामान्य से 5-6 डिग्री तक अधिक दर्ज हो रहा है लेकिन अगले एक पखवाड़े में पारे में गिरावट के साथ ही गुलाबी सर्दी की रंगत भी बढ़ने वाली है। ऐसे में दीपोत्सव पर्व तक प्रदेशभर में मौसम का मिजाज सर्द होने की संभावना है।

बीती रात पारे में गिरावट

पिछले 24 घंटे में श्रीगंगानगर, संगरिया, फलोदी, बीकानेर, बाड़मेर, पिलानी, करौली जिले में मौसम शुष्क रहा और दिन में पारा 35 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। शेखावाटी अंचल समेत कई जिलों में रात के तापमान में हुइ गिरावट से सर्द मौसम का अहसास लोगों को होने लगा है। बीती रात शेखावाटी अंचल में पारे में आई गिरावट ने गुलाबी सर्दी की रंगत को बढ़ा दिया। सीकर जिले में फतेहपुर कस्बा 14.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सबसे सर्द रहा। वहीं माउंट आबू 18, और संगरिया में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर में भी रात में पारा 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। पिलानी 18.5, अजमेर 20.8, सीकर 15.5 धौलपुर 20.9 करौली 20.8, चूरू 17.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

तबाही : चक्रवाती तूफान के कारण यूएस के फ्लोरिडा में तबाह हुए मकान।

सेंसेक्स 600 अंक गिरा

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। शुरुआती कारोबार में बढ़त हासिल करने के बाद मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में गिरावट दिख रही है। दिन के ऊपरी स्तरों से बेंचमार्क सूचकांकों ने गोता लगा दिया है। रिलायंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बिकवाली के कारण ऊपरी स्तरों से सेंसेक्स 600 अंकों तक नीचे फिसल गया। दूसरी ओर, निफ्टी भी कमजोर 25100 के नीचे आ गया। इससे पहले, बाजार में मंगलवार को भी बढ़त का सिलसिला जारी रहा। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 327.39 अंक चढ़कर 82,300.44 पर पहुंच गया; दूसरी ओर, निफ्टी 84.1 अंकों की मजबूती के साथ 25,212.05 पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले सेंसेक्स में 82,101.86 और निफ्टी में 25,186.30 के स्तर पर ओपनिंग हुई।

आसमां में बढ़ेगी भारत की ताकत

31 हथियारबंद एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन होंगे शामिल

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। भारत अमेरिका से मंगलवार (15 अक्टूबर) को 31 हथियारबंद एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन के लिए 3.3 बिलियन डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करेगा। इससे भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इसका फायदा भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे ज्यादा होगा। इस क्षेत्र में चीन अपनी सैन्य ताकत बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। भारत सरकार ने इस समझौते को मंजूरी पहले ही दे दी थी। इसमें भारत हेलफायर मिसाइल, जीबीयू-39बी प्रेसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम, नेविगेशन सिस्टम, सेंसर सूट और मोबाइल ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम के साथ 31 रिमोट-पायलट एयरक्राफ्ट सिस्टम खरीदेगा। इनकी डिलीवरी लगभग चार साल में शुरू होगी।

3.3 बिलियन डॉलर की है डील

31 एमक्यू-9 बी हंटर-किलर प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की यह डील दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी का हिस्सा है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल और ज्यादा मजबूत होगा। भारत और अमेरिकी की इस डील पर चीन की नजर बनी हुई है। भारत इस डील में 31 ऊंचाई और लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले रिमोट से चलने वाले विमान को भी खरीदेगा। इसमें 15 सी गार्जियन ड्रोन नौसेना के लिए और 8-8 स्काई गार्जियन थल सेना और वायुसेना के लिए होंगे।

जानें क्या है एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन

एमक्यू-9 बी प्रीडेटर ड्रोन एक अत्याधुनिक मानवरहित हवाई वाहन है, इसे रिमोट से संचालित किया जाता है। इसे प्रीडेटर भी कहते हैं। यह हथियारों से लैस होता है। ये 40,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगभग 40 घंटे तक उड़ान भरने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इस ड्रोन को लेजर गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और एंटी शिप मिसाइल जैसे विभिन्न प्रकार के हथियारों से लैस किया जा सकता है। इसी ड्रोन की मदद से अमेरिका ने 2022 में अलकायदा के नेता अयमान अल-जवाहिरी को मार गिराया था। एमक्यू-9 बी की क्षमताओं को चीन के मौजूदा सशस्त्र ड्रोन जैसे कै होंग-4 और विंग लूंग से कहीं बेहतर माना जाता है। चीन के ये ड्रोन पाकिस्तान में भेजे जा रहे हैं।

बहराइच में शांति चप्पे-चप्पे पर पुलिस

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच के हिंसाग्रस्त इलाकों में मंगलवार को हालात नियंत्रण में नजर आ रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है। लोग घरों के अंदर ही हैं। हालांकि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और भारी संख्या में सुरक्षा बल का इंतजाम किया गया है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बहराइच की हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के परिवार से मुलाकात करेंगे। बहराइच में दुर्गा पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा और दो समुदायों के बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद रविवार शाम को शुरू हुआ बवाल सोमवार दोपहर तक जारी रहा। शाम होते-हाते हालात नियंत्रण में आए

फिलहाल शांत है बहराइच

बहराइच में बवाल पर सीएम योगी पूरी नजर बनाए हुए हैं। सोमवार को सीएम योगी ने बहराइच में ग्राउंड पर उतरे अधिकारियों को पल-पल की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए थे। साथ ही उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए, जिसके बाद वर्तमान में बहराइच में शांति-व्यवस्था कायम है. वहीं, पुलिस फोर्स और प्रशासन उपद्रवियों की धरपकड़ में लगी हुई है।

हालात बिगड़े, तो मैदान में आए आला अधिकारी

बहराइच में पिछले दो दिन जो बवाल हुआ, उसके निशान मंगलवार को भी नजर आ रहे हैं। बवाल के दौरान कई घरों, दुकानों और दर्जनों वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। रविवार की शाम को ये पूरा विवाद शुरू हुआ था। सोमवार की सुबह लगभग 11 बजे फिर लोग घरों के बाहर निकले और उन्होंने बवाल करना शुरू कर दिया था। कई जगह लोगों ने पुलिस और मीडिया पर पथराव किया। कई वाहनों को आग लगा दी। हालात को बेकाबू होता देख, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश पर बहराइच में ग्राउंड जीरो पर आला अधिकारियों को उतारा गया, जिसके बाद हालात नियंत्रण में आए।

लारेंस गिरोह से मिले हुए भारत के एजेन्ट

कनाडा ने अब अमित शाह को लपेटा

ओटावा, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। भारत और कनाडा के बीच तनाव अब एक नए लेवल पर पहुंच गया है। कनाडा ने भारत सरकार पर खालिस्तान समर्थक आतंकियों की हत्या करवाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने उच्चायुक्त सहित छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित करने को लेकर बयान दिया है। कनाडा ने दावा किया है ये सभी लोग कनाडाई नागरिकों की टार्गेट किलिंग में शामिल हैं। उधर रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने आरोप लगाया कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा में आतंक फैलाने के लिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने जांच में साथ नहीं दिया। कनाडा के इन आरोपों ने दोनों देशों के बीच संबंधों में और भी खटास पैदा कर दी है। वॉशिंगटन पोस्ट में इससे जुड़ी

एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें अधिकारियों ने भारत सरकार की संलिप्तता का आरोप लगाया। साथ ही रिपोर्ट में गृह मंत्री अमित शाह का नाम भी जोड़ा गया है। पहले जब यह रिपोर्ट लिखी गई तब गृहमंत्री का नाम नहीं था। इसे बाद में अपडेट किया गया है। कनाडा ने पिछले साल भी भारत पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था लेकिन इस बार जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने हर तरफ से हमले की कोशिश की है। कनाडा की मंत्री, पुलिस और खुद ट्रूडो भारत विरोधी बयान दे रहे हैं।

हत्याओं में शामिल होने का आरोप

रिपोर्ट में कहा कि कनाडाई अधिकारियों के मुताबिक निज्जर की हत्या एक अलग घटना नहीं थी बल्कि भारत के वरिष्ठ अधिकारियों और देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) की ओर से किए गए एक बड़े प्रयास का हिस्सा थी। एक वरिष्ठ कनाडाई अधिकारी ने कहा, हम जानते हैं कि वे निज्जर किलिंग, अन्य हत्याओं और कनाडा में चल रही वास्तविक हिंसा में शामिल हैं। कनाडा के मुताबिक कथित तौर पर भारतीय राजनयिक खालिस्तानी आतंकियों की खुफिया जानकारी निकालते थे, जिसे रॉ की ओर से इस्तेमाल किया जाता था।

गृह मंत्री अमित शाह का नाम: कनाडाई अधिकारियों का आरोप है कि सूचना लगभग टॉप लेवल से भारत को भेजी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय राजनयिकों के बीच बातचीत और संदेशों में भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी और रॉ के एक अधिकारी का संदर्भ है। इन्होंने ही आतंकियों पर हमले की मंजूरी दी थी। रिपोर्ट में लिखा, कनाडाई अधिकारियों ने भारत में वरिष्ठ अधिकारी की पहचान अमित शाह के रूप में की है, जो मोदी के करीबी सर्कल के सदस्य हैं और गृह मामलों के मंत्री के रूप में कार्य करते हैं। कथित तौर पर कनाडाई अधिकारियों ने शनिवार को सिंगापुर में एक सीक्रेट मीटिंग में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को शाह और अन्य सबूतों के बारे में डिटेल दी है।

कोलकाता कांड पर सुप्रीम सुनवाई आज

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेन्सी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के विरोध में डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी है। 5 अक्टूबर से जारी आमरण अनशन का आज 10वां दिन है। 14 अक्टूबर को एक और डॉक्टर की हालत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अब तक 4 डॉक्टरों की भूख हड़ताल के कारण तबीयत बिगड़ चुकी है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले पर सुनवाई करेगा। 30 सितंबर की सुनवाई में बेंच ने नेशनल टास्क फोर्स से केस की स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। उधर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने भूख हड़ताल को लेकर विवादित बयान दिया, जिससे विवाद हो गया है। कल्याण ने इसे अस्पताल में भर्ती होने का अनशन कहा था। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। इसे लेकर डॉक्टरों ने 42 दिन तक देशभर में प्रदर्शन किया था।

जिले में निवेश के लिए हों हर संभव प्रयास : सोनी

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। जिला कलक्टर ने कहा कि मीट में ज्यादा से ज्यादा निवेश प्रोत्साहन एवं एमओयू हस्ताक्षर किये जाएं इसके लिए विभागीय अधिकारी हर संभव प्रयास करें एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में सोमवार को राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन (रीको) की जयपुर में स्थापित इकाईयो के इकाई प्रभारियों एवं के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले के औद्योगिक विकास निवेश संभावनाओं और उद्योगपतियों को आ रही परेशानियों के बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर महोदय द्वारा राईजिंग राजस्थान मीट के उद्देश्यों और संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन जिले के निवेश को प्रोत्साहित करने और अन्य उद्योग क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न मुददों पर ध्यान देते हुए जिले में नए उद्योगों को स्थापित करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान मीट को सफल बनाने के लिए सभी विभागों और उद्योग संगठनों को एकजुट होकर गंभीरतापूर्वक बेहतरीन ढंग से कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन की तैयारी को त्वरित गति से पूर्ण करने के आवश्यक निर्देश दिये।

भजनलाल ने जर्मनी को 'पार्टनर कंट्री' बनने का दिया निमंत्रण

प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख के डॉयचेस म्यूजियम का दौरा किया

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 के तहत राज्य में निवेश बढ़ाने हेतु यूरोप के निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार से जर्मनी के दौरे पर है। अपने दौरे की शुरूआत में प्रतिनिधिमंडल ने बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. फ्लोरियन हरमन के साथ म्यूनिख में मुलाकात की । इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने जर्मनी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने की भी पेशकश की।

डॉ. हरमन से हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जर्मनी के बवेरिया राज्य और राजस्थान के बीच एक सिस्टर पार्टनरशिप स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा जिसमें अक्षय ऊर्जा पर विशेष जोर दिया जाएगा। बवेरिया और राजस्थान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए इस बैठक में राजस्थान में बवेरिया का एक कार्यालय स्थापित करने का भी मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया और राज्य में निवेश आकर्षित करने में जर्मन सरकार से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस बैठक के दौरान बवेरिया और राजस्थान के बीच स्किल्ड मैनपावर की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिए आपसी साझेदारी पर भी चर्चा की गई।

बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. हरमन से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा के अलावा उपमुख्यमंत्री सुदिया कुमारी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, म्यूनिख में भारत के महा वाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा, डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा, उद्योग विभाग और रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि हमने जर्मनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ आज बहुत ही उपयोगी चर्चा की। जर्मनी भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारों में से एक है और विभिन्न मामलों में उसकी तकनीकी विशेषज्ञता विश्व प्रसिद्ध है। अपनी मुलाकात के दौरान हमने उनसे तकनीकी सहयोग और राजस्थान में निवेश बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की। जापानी निवेशकों के लिए नीमराणा जोन की तरह ही राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए भी हम एक विशेष निवेश जोन स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने म्यूनिख स्थित डॉयचेस म्यूजियम का भी दौरा किया जो 1903 में स्थापित एक प्रमुख विज्ञान एवं उद्योग संग्रहालय है। डॉयचेस म्यूजियम के दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने डॉयचेस म्यूजियम और जयपुर के अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की जिसमें दोनों संग्रहालयों द्वारा संयुक्त प्रदर्शनियों का आयोजन, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना, स्टेम के तहत अनुसंधान कार्यक्रमों में आपसी सहयोग, डॉयचेस संग्रहालय में राजस्थानी युवाओं के लिए इंटर्नशिप के अवसर पैदा करना और राजस्थान में अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना शामिल है। दोनों संग्रहालयों के बीच इस सहयोग का उद्देश्य सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। जयपुर का अल्बर्ट हॉल संग्रहालय अपनी इंडो-सारसेनिक वास्तुकला और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक रूप से प्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध है।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने हाइड्रोजन और डायरेक्ट मेथनॉल फ्यूल सेल्स की अग्रणी कंपनी एसएफसी एनर्जी एजी के परिसर का भी दौरा किया और इस दौरान एसएफसी एनर्जी को राजस्थान में निवेश करने हेतु आमंत्रित किया। यहां हुई बैठक के दौरान राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने एसएफसी एनर्जी के अधिकारियों को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की अग्रणी भूमिका, हरित ऊर्जा के प्रति राज्य के महत्वाकांलक्ष्य और फ्यूल सेल्स के उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश के अंदर मौजूद संभावनाओं की जानकारी भी दी। इस बैठक के दौरान एसएफसी एनर्जी ने राज्य के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने में रुचि दिखाई।

इससे पहले म्यूनिख पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल का राजस्थान एसोसिएशन जर्मनी के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान आरएजी के हरगोविंद सिंह राणा, शांतनु दवे और एसोसिएशन के अन्य सदस्य मौजूद थे। इस दौरान हुई बातचीत में मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान मूल के लोगों से अपनी जन्मभूमि से संबंधों को मजबूत बनाने का आह्वान किया और उन्हें प्रदेश में व्यवसाय करने के लिए आमंत्रित किया।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री ने की जनसुनवाई

परिवेदनाओं के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध होगी कार्रवाई

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को अलवर जिले में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये।

मंत्री शर्मा ने पेयजल, विद्युत, सड़क आदि से संबंधित परिवेदनाएं लेकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर कहा कि आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जनसुनवाई में आए आमजन की परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परिवेदना के निस्तारण की सूचना फरियादियों को दी जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहर में किसी भी माध्यम से पेयजल से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर उसे गंभीरता से लेकर त्वरित निराकरण करावें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते, लापरवाही पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिये कि शहर की पेयजल व्यवस्था के लिए बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन तेजी से करें ताकि शहर की पेयजल समस्या का निराकरण हो सके।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत निर्धारित मापदंडों की अनुपालना हो सुनिश्चित : जिला कलक्टर

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। जयपुर जिले में वायु प्रदूषण नियंत्रण करने और हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये जाएं, इसके लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत निर्धारित मापदंडों की पालना सुनिश्चित किया जाए। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलक्टर ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम की समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का उद्देश्य राजधानी की आबोहवा में सुधार करना है, इसके लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में धूलीय कणों के उत्सर्जन को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किये जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रभावी रोक लगाएं एवं सभी तरह के कचरा निस्तारण सुनिश्चित करें।

बैठक में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित निर्णयों की अनुपालना पर चर्चा की गई, जिसमें ठोस कचरा प्रबंध एवं निस्तारण की समीक्षा की गई। कलक्टर ने बैठक में डम्पिंग यार्ड में बचे पुराने कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ निकायों को प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जयपुर में स्वच्छ हवा के लिए हरित क्षेत्र बढ़ाने, एंटी स्मॉग गन का इस्तेमाल करने सहित जिला पर्यावरणीय योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने बैठक में फोगिंग मशीन से एमजीसीएल का छिड़काव करने सहित कई अहम सुझाव दिये। साथ ही बैठक में कलक्टर ने जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही अमल में लाने के निर्देश भी दिये।

बाल श्रम के मामलों में हो त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही : सोनी

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। बाल श्रम की रोकथाम के लिये पुलिस, जिला प्रशासन, बाल संरक्षण ईकाई और बाल श्रम से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर प्रभावी कार्यवाही करें। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी का। डॉ. सोनी ने यह बात सोमवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला बाल संरक्षण इकाई की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में जिला कलक्टर ने बाल कल्याण समिति को पीड़ित प्रतिकर के मामलों त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। साथ ही बाल श्रम से मुक्त करवाए गए नाबालिकों को खुले सुधार गृह से उनके संबंधित राज्य के सुधार गृह में भेजने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले में संचालित बाल देखरेख गृह संस्थानों में रह रहे बच्चों की चिकित्सकीय जांच करने के निर्देश दिये। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि बाल श्रम रोकने के लिए श्रम निरीक्षक सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी फैक्ट्रियों, कारखानों, ढ़ाबों, होटलों सहित अन्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करें। साथ उन्होंने विद्यालयों के समीप मादक पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए सघन अभियान शुरू करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों एवं नियोजकों की पहचान, संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने सहित हर महीने दर्ज प्रकरणों की सूचना श्रम विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

निवेश के लिहाज से राजस्थान देश का सबसे मुफीद प्रदेश : खर्रा

प्री-समिट में 76 हजार 400 करोड़ रुपये के नए निवेश एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। निवेश के लिहाज से राजस्थान देश का सबसे मुफीद और संभावनाओं से लबरेज राज्य है। यह कहना है नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह का। शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत की उपस्थिति में जयपुर में सोमवार को 'राइजिंग राजस्थान' शहरी क्षेत्र प्री-समिट में 400 से अधिक निवेशकों के साथ 76 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक के नए निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। रियल एस्टेट, डेटा सेंटर और आईटी पार्क, टाउनशिप और शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के क्षेत्रों में हस्ताक्षरित निवेश एमओयू राज्य में सतत शहरीकरण, किफायती और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। निवेश करारों पर हस्ताक्षर करने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरानंदानी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, के रहेजा कॉर्प, कस्तूरी ग्रुप और विराज ग्रुप शामिल हैं। राइजिंग राजस्थान से पहले आयोजित प्री इन्वेस्टमेंट समिट को संबोधित करते हुए शहरी विकास एवं आवास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार अगले पांच वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था के आकार को मौजूदा 180 बिलियन डॉलर से दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राजस्थान की लगभग 26 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और राजस्थान के सभी जिले महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हैं जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने जा रहे हैं। इसलिए, शहरी बुनियादी ढांचे का कायाकल्प और सुदृढ़ीकरण, बसों और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और किफायती आवास में परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के महत्व के बारे में बात करते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान सम्मेलन की मेजबानी करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके।

वन भूमि के रेवेन्यू स्केल डिजिटलाइजेशन को लेकर बैठक

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। वन विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव अर्पणा अरोड़ा ने बताया कि वन भूमि के सीमांकन के लिए राजस्व विभाग की तर्ज पर वन विभाग में भी हाई पावर कमेटी बनायी जाएगी ताकि वन्य भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को रोका जा सके एवं वन भूमि का स्पष्ट सीमांकन किया जाये । उन्होंने बताया कि प्रदेश में वन भूमि का संरक्षण किया जाए इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को रोकने के निर्देश देते हुए कहा वन भूमि का स्पष्ट सीमाज्ञान करते हुए रिकॉर्ड का डिजिटलाइजेशन किया जाये ।

अरोड़ा ने बताया कि विभाग के वन्य जीव सफारी,उद्यान एवं राष्ट्रीय पार्क इत्यादि के वीडियो, शॉर्ट मूवीज एवं फोटोग्राफ सोशल मीडिया की मदद से प्रचार प्रसार करने के लिए कहा ताकि देशी एवं विदेशी पर्यटक आकर्षित हो सकें। उन्होने बताया कि सोशल मीडिया पर विभाग की गतिविधियों का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने से आमजन तक जानकारी पहुंच सके।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की वन्य जीव सफारी में ऑनलाइन बुकिंग को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया जाए। साथ ही, एडवांस बुकिंग के लिए अधिकतम 3 महीने निर्धारित किया गया। बैठक में सुशिखा मेहरा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अशोक कुमार योगी, उप शासन सचिव वन सहित वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

हैल्प लाइन

अग्निशमन केंद्र

फायर स्टेशन	101
बनीपार्क	2201898
बाइस गोदाम	2211258
घाटगेट	2615550
वीकेआई क्षेत्र	2332573
एमआई रोड	2375925

ट्यूरिस्ट पैलेस

आमेर किला	2530293
बिड़ला तारामंडल	2385367
सिटी प्लैस	2608055
हवामहल	2618862
जंतर-मंतर	2610494
जयगढ़ किला	2671848
अल्बर्ट हॉल (संग्रहालय)	2565124
सिसोदिया गार्डन	2680494
चिड़िया घर	2617319
साइंस पार्क	2304654

पुलिस

पुलिस	100
कंट्रोल रूम (जयपुर)	2388435-38
ग्रामीण	2209741
यातायात	2565630

दुर्घटना सेल

पूर्व	2703992
पश्चिम	2209040
उत्तर	2609719
दक्षिण	2372992

सांस्कृतिक केन्द्र

बिड़ला ऑडिटोरियम	2385224
जवाहर कला केन्द	2706503
रवीन्द्र मंच	2619061

मौसमी बीमारियों की रोकथाम में नहीं हो कोई लापरवाही : खींवसर

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विगत दिनों में मौसमी बीमारियों के प्रसार को देखते हुए चिकित्सा विभाग के सभी अधिकारी एवं कार्मिक पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि विभाग के सभी कार्मिक जीवन रक्षा के उद्देश्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। मौसमी बीमारियों की रोकथाम में किसी स्तर पर लापरवाही नहीं हो।

खींवसर सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में प्रदेश में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सक एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी पूरी सजगता एवं सतर्कता के साथ कार्य करें। मौसमी बीमारियों से ग्रसित रोगियों को तत्काल प्रभाव से जांच एवं उपचार उपलब्ध करवाया जाए। किसी चिकित्सा संस्थान में मानव संसाधन की कमी है तो तुरंत प्रभाव से स्वास्थ्यकर्मी नियोजित करें या वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य स्तर से अधिकारी सभी जिलों पर नजर बनाए रखें और मौसमी बीमारियों की स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग करें। जिन जिलों में केस ज्यादा आ रहे हैं, वहां टीमें एवं संसाधन बढ़ाकर स्थिति को नियंत्रित करें। जांच किट एवं दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। रोगियों को उपचार लेने में किसी तरह की कठिनाई नहीं हो। अस्पतालों में वरिष्ठ चिकित्सक आवश्यक रूप से उपस्थित रहें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि वर्ष 2021 में डेंगू के 20 हजार से अधिक केस सामने आए थे। विगत वर्ष भी 13 अक्टूबर तक 8079 केस डेंगू के सामने आए, जबकि इस वर्ष 7 हजार 226 केस सामने आए हैं और भारत सरकार के प्रोटोकॉल (एलाइजा टेस्ट) के अनुसार डेंगू के कारण 2 मौतें हुई हैं। उन्होंने बताया कि विभाग कुशल प्रबंधन और लगातार मॉनिटरिंग कर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. प्रवीण असवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

- **मेष :** आज मनचाहे नतीजे देने वाला दिन है। सोची हुई योजनाएं सफल होती नजर आएंगी। खुद को भावनात्मक रूप से बहुत ही सशक्त महसूस करेंगे। आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के सहयोग आशीर्वाद से आप की योजनाओं को बल मिलेगा।
- **वृष :** भावनाओं पर काबू रखें तथा प्रैक्टिकल बने इससे आप और अधिक सहजता से निर्णय ले पाएंगे। किसी पारिवारिक सदस्य की तरफ से कोई संतोषजनक सूचना मिलने से मन प्रफुल्लित रहेगा तथा कोई मनोरंजक यात्रा संबंधी प्रोग्राम भी बनेगा।
- **मिथुन :** ग्रह गोचर अनुकूल है। किसी दोस्त या रिश्तेदार के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी। आपसी संबंधों में सुधार होगा। युवाओं को करियर संबंधित मेहनत के मनचाहे नतीजे मिल सकते हैं। अत्यधिक कार्य का बोझ आपके लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है।
- **कर्क :** सुकून भरी दिनचर्या रहेगी। युवा वर्ग कोई दुविधा दूर होने से राहत की सांस लेंगे तथा कोई बड़ा फैसला लेने की भी हिम्मत आएगी। यह समय उन्नति दायक है। मेहनत के मनोनुकूल परिणाम मिलेंगे। इन्वेस्टमेंट करने का विचार है, तो समय अनुकूल है।
- **सिंह :** वरिष्ठ लोगों का सानिध्य और मार्गदर्शन मिलेगा। लंबे समय से चल रही किसी चिंता व तनाव से राहत मिलेगी। कार्य को करने से पहले उसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर सोच-विचार कर ले, निश्चित ही सफलता मिलेगी।
- **कन्या :** मित्रों तथा संबंधियों के साथ मुलाकात के अवसर बनेंगे। किसी पारिवारिक अविवाहित सदस्य के लिए अच्छा रिश्ता भी आ सकता है। कुछ समय से आप अपने जिस कार्य को लेकर अधिक मेहनत कर रहे थे, आज उसके अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।
- **तुला :** अपने काम को रचनात्मक रूप देने के लिए अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाना बेहतर रहेगा। किसी भी दुविधा की स्थिति में अनुभवी लोगों से विचार विमर्श करें, आपको तुरंत समाधान मिलेगा।
- **वृश्चिक :** अचानक ही कोई रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से तनाव दूर होगा। अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने के लिए आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में भी आपकी रूचि रहेगी।
- **धनु :** आज ग्रह स्थिति कुछ अनुकूल रहेगी। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से भी राहत मिलेगी। घर की सुख-सुविधाओं संबंधी जरूरतें पूरी करने में आपका विशेष प्रयास रहेगा। युवा वर्ग भी अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे।
- **मकर :** अपने किसी भी फोन कॉल आदि को नजरअंदाज ना करें तथा मार्केटिंग व मीडिया से संबंधित कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित रखें। क्योंकि आपका कोई विशेष प्रयोजन हल हो सकता है।
- **कुंभ :** कुछ समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी में आज सुधार महसूस करेंगे। तथा दोबारा अपने व्यक्तिगत कार्यों में अपना ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह पर अमल करना आपको उचित मार्गदर्शन देगा।
- **मीन :** दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी और इससे आप अपने अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे पाएंगे। नजदीकी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन व मेल-मिलाप में बेहतरीन समय व्यतीत होगा। युवाओं को अपने भविष्य से संबंधित कोई बेहतरीन उपलब्धि मिल सकती हैं।

भारत हमेशा से ही बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है : ओम बिरला

सांध्यज्योति संवाददाता

जिनेवा/नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ की 149वीं एसेम्बली में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग' विषय पर सभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में बिरला ने वर्तमान समय की कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए इस पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से रखा। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत हमेशा से बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है, बिरला ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईपीयू जैसे मंच के माध्यम से, संसदें साझी कार्य योजनाओं और साझे प्रयासों के द्वारा सम्पूर्ण विश्व के लिए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सफल होंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व की सभी संसदों को मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लाभों का उचित और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया ताकि इस प्रगति का लाभ सभी को समान रूप से मिल सके और इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ समावेशी और शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए किया जा सके ।

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' की पहल का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 76 गीगावाट से बढ़कर 203 गीगावाट हो गई है। उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, बायो फ्यूल गठबंधन जैसी पहलों के बारे में भी बात की, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। इस संबंध में संसद द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों के मुद्दों पर संसद में विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि नए भवन के निर्माण में हरित प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है, जो हरित ऊर्जा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को दी जा रही प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए बिरला ने गर्व के साथ कहा कि भारत में स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 355 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाले 118 यूनिकॉर्न के साथ, आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप राष्ट्र बन गया है । आमजन को सेवाएं प्रदान करने में भारत में प्रौद्योगिकी के अभूतपूर्व उपयोग के बारे में बात करते हुए बिरला ने बताया कि कैसे जन धन, आधार और मोबाइल की जेमट्रिनिटी के माध्यम से वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन के द्वारा 314 सार्वजनिक कल्याण योजनाओं के तहत 2 ट्रिलियन 495 बिलियन रुपये के वित्तीय लाभ डीबीटी-डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों मे अंतरित किए गए हैं, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक उपयुक्त नियामक प्रणाली, नागरिकों की डाटा गोपनीयता की सुरक्षा, एआई के उचित उपयोग और प्रौद्योगिकी के लाभों को समान रूप से साझा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने आग्रह किया कि ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आईपीयू मंच के साथ-साथ राष्ट्रीय संसदों में भी चर्चा की जानी चाहिए। इस संबंध में, उन्होंने बताया कि भारत की संसद ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक चर्चा के बाद प्रौद्योगिकी, विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्र में डिजिटल निजी डाटा संरक्षण विधेयक, दूरसंचार विधेयक, ऊर्जा संरक्षण विधेयक और जैव विविधता विधेयक आदि जैसे कई विधेयक पारित किए हैं ।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत की संसद में डिजिटल संसद एप्लिकेशन से न केवल संसद को पेपरलेस बनाया गया है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से संसद की दक्षता को भी बढ़ाया गया है। इससे सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और सभी हितधारकों को एक एकीकृत मंच पर लाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कीवर्ड, मेटा डेटा और उन्नत खोज की एआई सुविधाओं की मदद से संसद से संबंधित डाटा को और अधिक उपयोगी बनाया जा रहा है।

कार्यशाला में हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री का महत्व समझाया

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं को सुगम बनाने के लिए तकनीकी नवाचार लागू करने पर प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में निम्स हॉस्पिटल, जयपुर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान की आईटी की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री के लाभों से अवगत कराया गया। कार्यशाला में निम्स हॉस्पिटल के डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। उन्हें हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री के महत्व और इसके विभिन्न फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि एचपीआर आईडी से स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की प्रोफेशनल पहचान की सुरक्षा, पारदर्शिता और आसानी से ट्रैकिंग संभव होती है, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलती हैं। कार्यशाला के दौरान डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की एचपीआर आईडी भी बनाई गई, ताकि वे देशव्यापी डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क से जुड़ सकें और अपनी सेवाओं को और अधिक सशक्त रूप से प्रदान कर सकें।

पूजा सोनी को मिली पीएचडी उपाधि

जयपुर, 15 अक्टूबर। कैरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी कोटा द्वारा शोधार्थी पूजा सोनी को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। यह उपाधि उन्हें स्कूल आफ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज डिपार्टमेंट में शीर्षक 'ए स्टडी आन इवेलुएटिव एनालिसिस ऑफ कंस्ट्रक्टिव स्किल्स एंड मेंटल एबिलिटी अमगस्ट वि जुअली हैंडिकैप्ड एंड हियरिंग इंपेयर्ड चिल्ड्रन इन हाड़ोती रीजन' पर प्रदान की गई है। पूजा श्री सोनी ने यह शोध कार्य डॉ दिव्या दुबे के निर्देशन में पूर्ण किया। वर्तमान में पूजा बारां जिले में औरा क्लासेस और औरा लाइब्रेरी की निदेशक व संचालिका है। पूजा अभियांत्रिकी महाविद्यालय में अंग्रेजी विषय की फेकल्टी रूप में कार्यरत है।

भीम आर्मी जयपुर जिलाध्यक्ष विशाल मुंडेतिया का स्वागत

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। भीम आर्मी जयपुर जिले के नवमनोनीत अध्यक्ष विशाल मुंडोतिया का लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर मनीष मुंडोतिया, हर्षित देवतावल, सनी खोवाल, सुरेश देवातवाल, अंकित धनकड़, किशन बुनकर, हेमंत जांगिड़ ने स्वागत किया।

आरएएस क्लब में डांडिया महोत्सव की धूम

जयपुर, 15 अक्टूबर। शारदीय नवरात्र की धूम आरएएस क्लब में दिखाई दी। जहां 15 दिवसीय डांडिया और गरबा कार्यशाला का समापन रविवार रात गरबा महोत्सव के साथ हुआ। जिसमें 70 से भी अधिक महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके लिए आयोजन से पंद्रह दिवस पहले वर्कशॉप रखी गई जिसमें कोरियोग्राफ़र चेतन ने सभी को डांस सिखाया। इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए। विजेताओं में नृत्य मे आरुषि गोयल प्रथम, सोनिया गोयल द्वितीय, आरजू यादव तृतीय स्थान पर रही। वहीं बेस्ट कॉस्ट्यूम श्रेणी में सीमा शर्मा प्रथम, सुनीता यादव द्वितीय, ममता तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का आयोजन क्लब की महासचिव नीतू राजेश्वर व महिला विंग की सदस्य बिंदु द्वारा किया गया।

जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 15 अक्टूबर। आरएसएफआई जिला स्केटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता जयपुर स्केट एसोसिएशन के तत्वावधान में 9 से 13 अक्टूबर तक 007 स्केटिंग क्लब में आयोजित की गई। जयपुर स्केट एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जयपुर जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में 300 स्केटर्स ने भाग लिया। इनमें विधि चौधरी, पवित्र पांडा, नन्दिका लक्ष्यराज, शिवांश शर्मा, आरती शर्मा, काव्या राठौड़, रौनक मीणा, सम्यक, ओजस्वी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किए।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि अनिल सिंह राठौड़, अनूप सिंह शेखावत ने विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेताओं में से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्केटर्स का चयन किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 3 से 10 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी।

समाज व बच्चों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना जरूरी : बाघमार

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण के उद्देश्य से पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया जयपुर चैप्टर द्वारा सोमवार को मानसरोवर स्थित वैदिक पीजी महाविद्यालय में हाथ बढ़ाओ, हग करो और चरण स्पर्श विषयक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह और एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन किया गया। विश्व जनसंपर्क दिवस पर प्रारंभ की गई फोटो प्रतियोगिता के लिए देशभर से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं। विजेता प्रतिभागियों को महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार और हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार ने कहा कि वर्तमान समय में हम नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। बड़ों को चरणस्पर्श करने में हमें झिझक महसूस होती है। भीड़ के बीच भी हम अपने आप को अकेला महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में जरूरतमंद के लिए हाथ बढ़ाना, गले लगाना और बड़ों का आशीर्वाद ही काम करता है। बाघमार ने पीआरएसआई, जयपुर चैप्टर के पदाधिकारियों को इतने अच्छे और समसामयिक विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता करने की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के विषय से हम स्वयं को, अपने समाज और बच्चों को नैतिक मूल्य की शिक्षा दे सकते हैं। भारत की विश्व गुरु की संस्कृति को आत्मसात कर सकते हैं।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुधि राजीव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर ने समाज को विघटित कर दिया है। सोशल मीडिया की दुनिया में फॉलोअर्स और दोस्तों की भीड़ से घिरा व्यक्ति असल जिंदगी में अकेला और दुखी है। ऐसे में किसी को गले लगाना और दोस्ती का हाथ बढ़ाना वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि बड़ों के सम्मान से आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की थीम से सोच बदलेगी और भारतीय संस्कृति जीवंत होगी।

कार्यक्रम को पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीरेंद्र पारीक, कल्याण कोठारी, समन्वयक आशीष बक्शी, वैदिक पीजी महाविद्यालय की निदेशक सुमेधा सामवेदी महाविद्यालय के सचिव प्रो घनश्याम धर ने भी संबोधित किया।

राज्यपाल ने 'नारी शक्ति' पुरस्कार प्रदान किए

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि वही समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है जिसमें नारी सशक्तीकरण के लिए कार्य होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार और हिम्मत नारी शक्ति के रूप में मां ही देती है। उन्होंने मातृ शक्ति को बच्चों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि करने वाली बताते हुए कहा कि महिलाओं को मन से मजबूत होना चाहिए।

बागडे सोमवार को एक निजी होटल में महिला सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित नारी शक्ति 2024 पुरस्कार समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता, शिक्षा, चिकित्सा, अर्थव्यवस्था आदि विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को हमारे यहां देवी का रूप दिया गया है। वे शक्तस्वरूपा हैं, इसलिए उन्हें हर स्थिति में निडर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में कन्या पूजन की परंपरा आरंभ से रही हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति और नारी शक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि नवरात्रा शक्ति उपासना का ही पर्व है। उन्होंने कहा कि पर्वों के जरिए भारतीय संस्कृति को जीवित रखने का कार्य घर की महिलाओं ने ही किया हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल पारित कर महिलाओं को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश में नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य किया गया है। उन्होंने राजस्थान के सुदूर क्षेत्रों में हर घर जल और अन्य कार्यों से आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं की कठिनाइयों को दूर करने के साथ ही लखपति दीदी, महिला उद्यमिता के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत के लिए महिला भागीदारी के अंतर्गत भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने समाज में महिला शिक्षा और उन्हें अवसर देने के लिए सभी स्तरों पर कार्य करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर ने महिला शक्ति के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। आरंभ में महिला सुरक्षा मंच की बबीता शर्मा ने सभी का स्वागत किया।

पशुपालन मंत्री ने गौशाला विकास योजना को किया ऑनलाइन

जयपुर, 15 अक्टूबर। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को निदेशालय गोपालन की गौशाला विकास योजना को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन किया। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में 10 लाख तक के आधारभूत परिसम्मपत्ति निर्माण कार्य करवाये जाते हैं। वर्तमान में योजना को ऑनलाइन किया गया है जिसके लिए योजना में पंजीकृत गौशालायें दिनांक 15 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक नवीन आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकेंगी।

विज्ञापन व समाचार के लिए सम्पर्क करें

दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण में सी - स्कीम, श्याम नगर, सिविल लाईस, वैशाली नगर, चित्रकूट, निर्माण नगर, अजमेर रोड वासी अपने क्षेत्र के समाचार वर्गीकृत विज्ञापन, सजावटी विज्ञापन तथा विज्ञापन बुकिंग काउंटर के लिए सम्पर्क करें।

सुरेन्द्र मारवाल
मारवाल पब्लिसिटी
मारवाल हाऊस, हवा सड़क,
सिविल लाइन्स, जयपुर-302006
मोबाइल : 93144-33020

दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण हेतु राजापार्क एरिया के समाचार सकंलन एवं विज्ञापन बुकिंग के लिए सम्पर्क करें

मौलिक एडवरटाइजिंग एजेन्सी
एस-28, सरदार भवन, वसुन्धरा कॉलोनी, बिग बाजार वाली गली, टोंक रोड,
जयपुर 302018
फोन : 2703404
मो. 9828164559
फैक्स नं. 0141-2707338

चौमूं
विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें
मनीष यादव
यादव एडवरटाइजिंग एजेन्सी
सांध्य ज्योति दर्पण
धोली मण्डी, तनिष्का आयुर्वेदिक के पास, चौमूं
मो. 9667902742

अपने प्रियजनों की स्मृति में श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि, तीये की बैठक और शोक संदेश के विज्ञापन मय फोटो साइज 5|4 सेमी मात्र 500/- रु. में प्रकाशित करायें।

फोर्टी ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 15 अक्टूबर। अग्रवाल पीजी कॉलेज स्थित श्री अग्रसेन सभागार में फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) की ओर से पद्म विभूषण दिवंगत रतन टाटा के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। फोर्टी सदस्यों ने रतन टाटा की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। व्यापारियों ने इस अवसर पर रतन टाटा के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रमुख साक्षात्कारों पर आधारित एक फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। सभा में फोर्टी संरक्षक सुरजाराम मील,अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, मुख्य सचिव नरेश सिंघल, गिरधारी खंडेलवाल,उपाध्यक्ष नीलम मित्तल, सचिव कैलाश खंडेलवाल, विमन विंग प्रेसिडेंट डॉ अलका गौड़, यूथ विंग प्रेसिडेंट सुनील अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक सौरभ अग्रवाल के साथ जयपुर के सभी प्रमुख उद्योगपति और व्यापारियों ने अपने उद्बोधनों के माध्यम से रतन टाटा को याद किया। सुरेश अग्रवाल ने कहा कि आदर्श मानवीय मूल्यों के साथ व्यापार को आगे बढ़ाना रतन टाटा के जीवन से सीखा जा सकता है।

कोरोना वॉरियर्स स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

जयपुर, 15 अक्टूबर। अविनाश गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने सोमवार को नर्सिंग ऑफिसर एवं पैरामेडिकल पंचम कोरोना वॉरियर्स स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का जयपुर में उद्घाटन का किया। चार दिवसीय प्रतियोगिता का आज उद्घाटन मैच था। 17 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में राज्य के 33 जिलों से नर्सिंग ऑफिसर और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर स्थित नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में किया जा रहा है।

In The Court Of Additional Motor Accident Claims Tribunal, Biaora,
P.N 679/14/10/2124 District Court, Rajgarh
Presiding Officer श्रीमती रजनी प्रकाश बायम
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MACC/0000095/2022)
(MACC/0000097/2022)
गोविंद सिंह................वादी
Vs
अरशद अली आदि..........प्रतिवादी
Process Id- /2024
पेशी दिनांक :- 06/11/2024

प्रेषिती-
(1) श्रीमति संध्या बेनर्जी पत्नी सुनील बैनर्जी पता निवासी फ्लैट नबंर G-3 प्लाट नंबर B-23 एस के जयपुर (राजस्थान)

यह कि प्रार्थी गोविंद सिंह ने आपके विरुद्ध क्लेम प्रकरण क्रमांक 95/2022 एवं 97/2022 आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के लिए क्लेम प्रकरण संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के पशचात उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्त ा) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस क्लेम प्रकरण में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है। कि उस दिन अपनी ओर से लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का प्रकरण या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो प्रकरण की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 08 October 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मोहर
न्यायाधीश
रजनी प्रकाश बायम
सदस्य
प्रथम अति. मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
ब्यादरा जिला राजगढ़ म.प्र.

पाठकों को सलाह

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई भी व्यवहार करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच अवश्य कर लें, क्योंकि सांध्य ज्योति दर्पण विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन-देन के लिए यह समाचार-पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड-भरतपुर
क्रमांक: 3586 दिनांक: 08.10.2024
-:: निविदा सूचना संख्या 10/2024-25 ::-
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अधीन 03 नं. कार्य एवं निविदा की कुल राशि रु. 136.00 लाख हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। जिससे संबंधित विवरण एवं सूचनाएं वेबसाइट www.pwd.rajasthan.gov.in एवं www.dipr.rajasthan.gov.in एवं (http://sppp.rajasthan.gov.in) पर देखी जा सकती हैं।
NIB Code: PWD2425A2054
UBN No.: 1. PWD2425WSOB07494, 2. PWD2425WSOB07495, 3. PWD2425WSOB07496
डीआईपीआर/सी/9768/2024 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खण्ड-भरतपुर

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा जिला कोटपूतली-बहरोड
क्रमांक :- न.पा.पा.प्रा./मानव संसाधन/2024-25/1145 दिनांक :- 10/10/2024
ई-निविदा सूचना (08/2024-25 NIB CODE - DLB2425A3292)
एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
UBN NO. - DLB2425SLRC10447
राज.संवाद/सी/24/6468 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा जिला कोटपूतली-बहरोड
क्रमांक :- न.पा.पा.प्रा./मानव संसाधन/2024-25/1154 दिनांक :- 10/10/2024
ई-निविदा सूचना (11/2024-25 NIB CODE - DLB2425A3295)
एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/एनजीओ/संस्था/फर्म/सप्लायर्स से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।
UBN NO. - DLB2425SLRC10450
राज.संवाद/सी/24/6475 अधिशाषी अधिकारी

पशु आहार संयंत्र, नदबई (भरतपुर) राजस्थान
RCDF/CFPNAD/F.( )/2024-25/ 3534-45 Date :- 04/10/2024
निविदा सूचना
कैटल फीड प्लान्ट नदबई पर निम्नलिखित कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है -

क्र. सं.	निविदा का नाम	अनुमानित लागत	निविदा का माध्यम	यूबीएन नम्बर
1.	पशु आहार परिवहन कार्य।	200 लाख	ऑनलाईन	CDF2425SLRC00723
2.	कम्प्यूटर-लैपटोप आपूर्ति।	4.50 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425GSOB00721
3.	प्रयोगशाला उपकरण व कैमीकल आपूर्ति।	5.00 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425GSRC00722
4.	मोटर रिवाईडिंग कार्य।	2.00 लाख	सील बन्द लिफाफा	CDF2425SSRC00720

निविदा से सम्बन्धित समस्त सूचनायें, निविदा प्रपत्र मय शर्तो के विभाग की बेबसाईट www.sarasmilkfed.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/6455 प्रबन्धक, सीएफपी नदबई
जीवन में भरे रस-हमारा प्यार

Govt. Rajasthan
Office Of The Medical Superintendent
Govt. Medical College Allied Hospital, Bharatpur
email:- pmobpr@gmail.com
Order No. 5829 Date: 07.10.2024
E-tenders are invited Rate contract for Gauze & Bandage at Governmenent R.B.M. Hospital Bharatpur till date 17.10.2024 Other Details, Rules & Regulation and other conditions can you seen or download form http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in.
NIB No:- MHS2425A2354, UBN No:- MHS2425GLRC03357
Estimate: 40.00 Lac
DIPR/C/9732/2024 Medical Superintendent Govt. Medical College Allied Hospital Bharatpur

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक :- न.नि.भ./निर्माण/2024-25/483-489 दिनांक :- 09.10.2024
ई-निविदा सूचना-07/2024-25
नगर निगम, भरतपुर द्वारा स्वायत्त शासन विभाग में उपयुक्त श्रेणी में एवं अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी संवेदकों एवं पंजीकृत अनुभवी एन.जी.ओ. से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि के अनुमानित लागत पर नगर निगम में पंजीकृत सक्षम संवेदक द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एव अन्य विभागों के "A"&"AA" श्रेणी के सवेंदक द्वारा 2 प्रतिशत राशि पृथक-पृथक रूप खाते में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा कराना होगा। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

कार्यो की संख्या	02 कार्य ।
कार्यो की कुल लागत	49.88 लाख
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से निविदा डाउनलोड करने की समय व तिथि	दिनांक 09.10.2024 से 22.10.2024 तक एवं सायं 6.00 बजे
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम समय व तिथि	दिनांक 22.10.2024 सायं 6.00 बजे
नगर निगम में प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क एवं अमानत राशि की यू.टी.आर. स्लिप भौतिक रूप से जमा कराने की तिथि	दिनांक 23.10.2024 दोपहर 12.00 बजे
निविदा खोलने की समय व तिथि	दिनांक 23.10..2024 दोपहर 3.00 बजे

UBN Number:-
1. DLB2425SLOB10508 2. DLB2425WSOB10509
राज.संवाद/सी/24/6486 आयुक्त नगर निगम, भरतपुर

आज का दिन

आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 15 अक्टूबर, सन् 2024 ईस्वी। वार- मंगलवार, सूर्य-दक्षिणायण, ऋतु-शरद

सम्पादकीय

सबकी सुरक्षा जरूरी, बांग्लादेश सरकार हालत पर काबू पाए

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले और मंदिर से चोरी की खबरों ने एक बार फिर वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मसले को केंद्र में ला दिया है। भारत ने ठीक ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्ते का एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। पिछले अगस्त महीने में छात्र आंदोलन के बेकाबू होने और फिर सत्ता परिवर्तन का कारण बनने के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की घटनाएं हुईं।

> दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा देने वाली है। जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था।

तब नई सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हालांकि इन हमलों को रोके जाने का आह्वान किया, लेकिन यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इन घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। उनका यही रुख अब तक बना हुआ है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा देने वाली है। जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। ही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। पूरे देश में इस तरह की 35 अप्रिय घटनाएं दर्ज हुई हैं। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता।ध्यान रहे, बांग्लादेश में सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस शुरुआती अस्थिरता से उबर चुके हैं।

सत्ता पर उनकी पकड़ काफी हद तक बन चुकी है। इसका अंदाजा इस बात से भी होता है कि जल्द से जल्द चुनाव का वादा करते हुए सत्ता संभालने वाले यूनुस अब कहने लगे हैं कि सुधार का अजेंडा पूरा होने से पहले चुनाव नहीं होंगे। ऐसी स्थिति में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। वक्त आ गया है कि बांग्लादेश की सरकार जहां-तहां हमले करने और ऊलजलूल बयान देने वाले ऐसे तत्वों को काबू करते हुए यह संदेश दे कि वहां हालात सरकार के नियंत्रण में है और अराजकता का राज नहीं है।

विदेशी अखबारों से

चीन के पीएम ली कियांग इस्लामाबाद पहुंचे, पाक आर्मी चीफ ने किया स्वागत

पाकिस्तान की राजधानी सख्त सुरक्षा घेरे में थी क्योंकि इस सप्ताह शंघाई सहयोग संगठन के शासनाध्यक्षों की बैठक से पहले चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग सोमवार को शहर में पहुंचे। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री कार्यालय ने कहा कि ली की यात्रा 11 वर्षों में किसी चीनी प्रधान मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हवाईअड्डे पर ली का स्वागत किया। सरकार ने इस्लामाबाद में तीन दिन की सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है, स्कूल और व्यवसाय बंद हैं और पुलिस और अर्धसैनिक बलों की बड़ी टुकड़ियों को तैनात किया गया है।

आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तानी सेना के जवान राजधानी के रेड जोन, संसद के स्थान और एक राजनयिक एन्क्लेव और जहां अधिकांश बैठकें होंगी, की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होंगे। एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले पाकिस्तान में पिछले हफ्ते दो चीनी इंजीनियरों की हत्या और 21 खनिकों की गोलीबारी में मौत के बाद सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। मार्च में उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में एक और हमले में पांच चीनी इंजीनियरों की मौत हो गई। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोमवार को कहा कि चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शरीफ ने उनकी सुरक्षा पर गहरा, गहन, व्यक्तिगत ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि चीनी प्रधानमंत्री की यात्रा एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। उन्होंने इसे हमारे संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि चीनी नागरिकों पर हाल के हमलों की उच्च-स्तरीय जांच हो रही है और कहा कि मुझे लगता है कि हमारे चीनी मित्र भी हमारी गहरी दिलचस्पी और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने से कुछ हद तक संतुष्ट हैं।

प्रेरक प्रसंग

बीरबल

अकबर एक शाम अपने प्रिय मंत्री बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर करने निकले। चारों ओर हरियाली थी और फूलों की सुगंध वातावरण को और भी सुंदर बना रही थी। तब अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल क्या तुम इस हरे बगीचे में मुझे हरे घोड़े पर सैर करा सकते है? मेरी यह इच्छा पूरी कर दो। आपको सात दिन की मोहलत मैं देता हूं, इतने दिनों में मेरे लिए हरा घोड़ा ढूंढ कर लाओ। अगर ऐसा नहीं कर सके तो मुझे अपना चेहरा मत दिखाना।

राजा और बीरबल दोनों जानते थे कि दुनिया में आज तक कोई हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ था। लेकिन राजा चाहते थे कि बीरबल किसी बात में हार मान ले। इसलिए उन्होंने बीरबल को यह आदेश दिया। लेकिन बीरबल बहुत चालाक भी थे। आठवें दिन बीरबल राजा के दरबार में पहुंचे और कहा, महाराज! आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। उसके मालिक कि दो शर्तें हैं। राजा ने शर्तों के बारे में पूछा। पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा, बीरबल ने कहा। राजा इस शर्त को मानने को तैयार था। बीरबल ने कहा, घोड़े के मालिक की दूसरी शर्त है कि आपको सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन घोड़ा लेने के लिए चुनना होगा। विचित्र शर्तें सुन अकबर हतप्रभ हो गए। बीरबल बोले महाराज घोड़े का मालिक का कहना है कि असाधारण घोड़े को प्राप्त करने के लिए खास शर्तें तो मानना ही पड़ेगी। बीरबल की चतुराई भरी बात सुनकर राजा अकबर खुश हो गए।

आरएसएस की स्थापना विजयादशमी के दिन ही क्यों हुई?

प्रह्लाद सबनानी

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासनकाल के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षों तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। साथ ही, जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्रांताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई।

भारतीय परंपरा में, आश्विन शुक्ल दशमी को, अक्षय स्फूर्ति, शक्तिपूजा एवं विजय प्राप्ति का दिवस माना जाता है। किसी भी शुभ, सात्विक एवं राष्ट्र गौरवकारी कार्य को प्रारंभ करने के लिए यह मुहूर्त सर्वोत्तम माना गया है। विजयादशमी का यह उत्सव आसुरी शक्तियों पर दैवी शक्तियों की विजय का प्रतीक है।

विजयादशमी के दिन ही सतयुग में भगवती मां दुर्गा के रूप में दैवी शक्ति ने महिषासुर का मर्दन किया था। त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने वनवासियों का सहयोग लेकर, उन्हें संगठित कर तथा सेतु-निर्माण कर, दुष्ट रावण की आसुरी शक्तियों का विनाश किया था। तथा, इसी प्रकार द्वापरयुग में श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में दैवी शक्तियों ने आसुरी शक्तियों का विध्वंस किया था। कलयुग में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिंदुत्व का स्वाभिमान लेकर हिंदू पद-पादशाही की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा सीमोल्लंघन की परंपरा का प्रारंभ भी इसी पावन दिवस पर किया गया था। और, रामलीला तथा दुर्गापूजा इन दोनों उत्सवों को, इस विजयशाली दिवस की पावन स्मृति को, लोकमानस में बनाए रखने की दृष्टि से ही, मनाया जाता है। विजयादशमी के पावन दिवस पर शस्त्र-पूजन की परंपरा भी है। 12 वर्ष के वनवास तथा 1 वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात् पांडवों ने अपने शस्त्रों का पूजन इसी दिन किया था तथा उन्हें पुन: धारण किया था।

विजयादशमी के दिन ही, परमपूज्य आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर के मोहिते के बारे में संवत् 1983 तदनुसार 27 सितंबर 1925 ईसवी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, अर्थात् राष्ट्र जीवन में शक्ति का निर्माण करने के लिए संकल्पित संघ का कार्य भी इसी दिन के शुभ मुहूर्त से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2014 में विजयादशमी दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, अर्थात् संघ का यह सौवां विजयादशमी उत्सव है। मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासनकाल के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षों तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। साथ ही, जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि 'संघ शक्ति कलौ युगे' अर्थात् कलयुग में संगठन ही सर्वोपरि है। इस वाक्य के अनुरूप ही संघ में संगठन को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुन: प्रतिष्ठित किया जाए। इस प्रकार, संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ है। भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। मार्च, 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा की बैठक में उपलब्ध कराई गई। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है- वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त और मुखर होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 'हिंदू' शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि सही अर्थों में एक हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए।

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं इस महान कार्य को आगे बढ़ाते हुए 'स्व' के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। संघ की शाखाओं में अनोखी पद्धति का अनुपालन करते हुए युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया जाता है। शाखा की इस अनोखी पद्धति की सराहना आज पूरे विश्व में ही की जा रही है। वस्तुत: यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जाय।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुन: प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र, जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है। यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकारी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है। वस्तुत: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज भी लक्ष्य हिंदुओं को जाति, क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजन के चलते उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक विरोधाभासों से उबारना है। इसकी आकांक्षा है कि भारत को विश्व गुरु का स्थान अपने कृतत्व, दर्शन और सांस्कृतिक प्रभाव से पुन: मिले। भारतीय समाज को संघ के इन प्रयासों से अपने आप को जोड़ना चाहिए तभी भारत को पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

हाल ही के समय में हिंदू समाज में दिखाई दे रही एकरसता के चलते भारत का रुतबा वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, यह परिणाम स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगा है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में अमेरिका, रूस, जापान, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों के नाम ही सुनाई देते रहे हैं। यूनाइटेड नेशन्स में वीटो पावर भी इन्हीं देशों के पास रही है। भारत का इस दृष्टि से दूर दूर तक नाम दिखाई नहीं देता था। परंतु, आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। 'एशिया पावर इंडेक्स 2024' नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है।

किसान आंदोलन के नाम पर हुए बवाल

नीरज कुमार दुबे

आम किसानों का कैसे अपने राजनीतिक हितों के लिए इन तथाकथित किसान नेताओं ने दुरुपयोग किया यह हमने लोकसभा चुनावों के दौरान भी देखा था। तीनों कृषि कानून काफी पहले ही यानि साल 2022 के अंत में ही वापस लिये जा चुके थे लेकिन उसके बावजूद 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान पंजाब में भाजपा के सभी उम्मीदवारों के घर के बाहर बड़ी संख्या में किसानों को धरने पर बैठा दिया गया था। पंजाब में चुनाव प्रचार की कवरेज के दौरान जब मैंने संगरूर, लुधियाना, अमृतसर, पटियाला आदि क्षेत्रों में धरने पर बैठे लोगों से पूछा कि आपकी मांगें क्या हैं तो सबका जवाब एक ही था कि सारी समस्याओं के हल तक हम यहां से नहीं हटेंगे। जब मैंने पूछा कि समस्याएं क्या हैं तो हर जगह से यही जवाब मिला कि स्कूल अच्छे बनने चाहिए, अस्पतालों में सारी सुविधाएं होनी चाहिए, सड़कें अच्छी बननी चाहिए। स्पष्ट था कि यह धरना प्रदर्शन भी एक टूलकिट का हिस्सा था।

देश ने हाल के कुछ वर्षों में कई आंदोलन देखे। सबसे पहले जन लोकपाल के लिए आंदोलन हुआ। इस आंदोलन को मिले समर्थन के बलबूते अरविंद केजरीवाल सत्ता की सीढ़ियां चढ़ कर अपनी मंजिल पर पहुंच गये लेकिन दिल्ली में जन लोकपाल नहीं बनाया। देश ने दिल्ली में हरियाणा के कुछ पहलवानों का आंदोलन भी देखा। यह पहलवान राजनीति के अखाड़े में कूदने के लिए उसी खेल को नुकसान पहुंचाते रहे जिसकी बदौलत उन्होंने दौलत और शोहरत कमाई। देश ने किसान आंदोलन भी देखा। किसानों के कल्याण और उनके बेहतर भविष्य के लिए मोदी सरकार जो तीन कानून लेकर आई उसके बारे में भ्रम फैला कर देशभर में किसानों का आंदोलन खड़ा कर दिया गया जिसके चलते सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। खुद को किसान कहने वाले आंदोलनकारियों ने कानून व्यवस्था का भी खूब मजाक बनाया और सरकार को झुकाने का अभियान सफलतापूर्वक चलाकर दिखाया। मगर अब इस किसान आंदोलन का सच एक प्रमुख आंदोलनकारी ने ही देश के सामने रख दिया है।

हम आपको बता दें कि भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी गुट के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया था। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया था, लेकिन पार्टी ने सब कुछ वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर छोड़ दिया था। संयुक्त संघर्ष पार्टी के संस्थापक चढ़ूनी ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण यही बताया है। चढ़ूनी के बयान पर सियासत भी शुरू हो गयी है और भाजपा ने कांग्रेस से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण की मांग भी की है। जाहिर है कांग्रेस चढ़ूनी के बयान से किनारा ही करेगी लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों के नाम पर खड़ा किया गया आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक था और इसका एकमात्र मकसद मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करना था। समय-समय पर इस आंदोलन से जुड़े तमाम सच सामने आते ही रहे हैं। टूलकिट गैंग के सदस्यों ने भोले भाले किसानों को बरगला कर अपने राजनीतिक हित तो साध लिए मगर अन्नदाता का नुकसान करवा दिया। आम किसानों का कैसे अपने राजनीतिक हितों के लिए इन तथाकथित किसान नेताओं ने दुरुपयोग किया यह हमने लोकसभा चुनावों के दौरान भी देखा था। तीनों कृषि कानून काफी पहले ही यानि साल 2022 के अंत में ही वापस लिये जा चुके थे लेकिन उसके बावजूद 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान पंजाब में भाजपा के सभी उम्मीदवारों के घर के बाहर बड़ी संख्या में किसानों को धरने पर बैठा दिया गया था। पंजाब में चुनाव प्रचार की कवरेज के दौरान जब मैंने संगरूर, लुधियाना, अमृतसर, पटियाला आदि क्षेत्रों में धरने पर बैठे लोगों से पूछा कि आपकी मांगें क्या हैं तो सबका जवाब एक ही था कि सारी समस्याओं के हल तक हम यहां से नहीं हटेंगे। जब मैंने पूछा कि समस्याएं क्या हैं तो हर जगह से यही जवाब मिला कि स्कूल अच्छे बनने चाहिए, अस्पतालों में सारी सुविधाएं होनी चाहिए, सड़कें अच्छी बननी चाहिए। स्पष्ट था कि यह धरना प्रदर्शन भी एक टूलकिट का हिस्सा था। लोकसभा चुनावों के लिए मतदान होते ही यह प्रदर्शनकारी भाजपा उम्मीदवारों के घर के बाहर से हट गये। ऐसा लगा कि उनकी सारी समस्याओं का या तो समाधान हो गया है या टूलकिट के तहत दिया गया टास्क पूरा हो गया है।

वैसे जहां तक चढ़ूनी की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने हरियाणा में कुरुक्षेत्र की पेहोवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। यहां जनता ने मात्र 1170 वोट देकर उनकी जमानत तक जब्त करा दी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इन तथाकथित किसान नेताओं ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में भी किस्मत आजमाई थी। पंजाब की 31 में से 22 किसान यूनियनों ने संयुक्त समाज मोर्चा नामक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार भी घोषित किया था। लेकिन एक को छोड़कर इनके बाकी उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाये थे। अब हरियाणा में भी इस पार्टी का जो हश्र हुआ है उससे साफ है कि आम जनता और आम किसानों का समर्थन इन लोगों के पास कभी भी नहीं था। विदेशी इशारे पर और विदेशी पैसे के बलबूते भारत की छवि को खराब करने और सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो षड्यंत्र रचा गया था उसका सच सामने आ चुका है। यह समय है कि देश सतर्क हो जाये और गैर-राजनीतिक आंदोलनों की असली मंशा को पहचाने।

बहरहाल, चढ़ूनी के बयान पर हमलावर होते हुए भाजपा ने कहा है कि जिस किसान आंदोलन को सहज और स्वाभाविक बताया गया था, वह दरअसल कांग्रेस की ओर से 'प्रायोजित और पोषित' था। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि चढ़ूनीजी का जो वक्तव्य आया है, उसने एक बार फिर उजागर कर दिया है कि कांग्रेस की जमीन के अंदर क्या छुपा हुआ है। उन्होंने कहा है कि इससे एक बात बहुत साफ हो गई है कि जिस आंदोलन को सहज और स्वाभाविक आंदोलन कहा जा रहा था, वह कांग्रेस के द्वारा प्रायोजित और पोषित आंदोलन था।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

डिस्काऊंट पर जिंदगी...

डिस्काउंट बरस रहे हैं इन दिनों इश्तिहारों में। आफर तैर रहे हैं हवाओं में। रामलीला का सीजन था, मैं गया था श्रद्धापूर्वक एक रामलीला में। लीला यह थी कि एक पाचक चूरण का इश्तिहार था करीब पचास फुट का, उसके एक कोने में रामलीला के सारे पात्रों को फोटू थे-लिखा था-फलां पाचक चूर्ण द्वारा स्थापित रामलीला। मुझे वह चूरण-लीला लगी। इतनी तरह के स्पांसर घुस गये हैं रामलीलाओं में कि वह कहीं चूरण-लीला लगती है कहीं साबुन-लीला, कहीं पर वह उस ब्रांड के लड्डू की लीला लगती है। लीलाएं वाशिंग पाऊडरों और चूरणों की ही हैं उनमें तमाम पात्र रामलीला वाले आ गये हैं। मुझे अब डर लगने लगा है। रामलीला रोककर बीचों बीच भी कहीं स्पांसर अपने खेल ना दिखाने लगें। सीता को बचाने की कोशिश में जटायु संघर्षरत है। सीन रोककर-एंकर पूछ रहा है-हे जटायु इतने संघर्ष की ताकत कहां से आयी , हमारे दर्शकों को बताओ।

जटायु रामलीला के स्पांसरों के नाम पढ़ रहा है-फलां आटा खाकर, फलां शहद खाकर, फलां नमक खाकर, फलां मसाले खाकर मैं इस काबिल हो गया कि मैं संघर्ष कर सकूं। सूपर्णखा की नाक कटी हुई है-एंकर पूछ रहा है-हे सूपर्णखा तेरी यह दशा कैसे हुई। सूपर्णखा जवाब दे रही हैं-क्योंकि मैंने अपना मेकअप उस ब्रांड के मेकअप स्टूडियो से नहीं करवाया था। अगर वहां से मेकअप कराया होता, तो मैं बहुत ही सुंदर लगती। नाक कटने से बचायें और मेकअप उस मेकअप स्टूडियो से करायें। भक्तिभाव को स्थगित रखें कुछ समय के लिए स्पांसरों ने रकम लगायी है, उनके नाम आने दें। सम्मान जटायु का किया जाये या उस आटे का, जिसे खाकर उसमें संघर्ष की क्षमता आ गयी। पेचीदा सवाल है। सम्मान उस ब्रांड का ही होना चाहिए, जो किसी खिलाड़ी को, किसी एक्टर को किसी कामयाबी पर पहुंचाता है। रामलीलाएं स्पांसरों की चपेट में है। पहले रामलीला बड़ी होती थी, उसके पोस्टर, बैनर के एक कोने में स्पांसर का नाम होता था कि उनके सान्निध्य में या तत्वावधान में यह लीला आयोजित हो रही है। अब मामला उलटा है, स्पांसर सबसे ऊपर, लगभग सारी जगह घेरे हुए है। स्पांसर जगह घेरे हुए हैं। डिस्काऊंट बरस रही है। जिंदगी क्या है-जिंदगी डिस्काऊंट है। जिंदगी की परम उपलब्धि क्या है-परम उपलब्धि कैशबैक है यानी कितने रुपयें की खरीद पर कितना कैशबैक हासिल किया है। डिस्काऊंट, कैशबैक, आफर-इन दिनों यही मूल मंत्र हैं। इन दिनों लगभग हर जगह डिस्काऊंट के इतने आफर दिखायी दे रहे हैं कि लग रहा है कि नवरात्रि का मूल उद्देश्य यही है कि तमाम कार, तमाम मकान, तमाम मोबाइल बेच लिये जाएं।

भारतीय टीम आठ साल में पहली बार सेमीफाइनल में नहीं बना सकी जगह

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम का सफर टी20 विश्व कप 2024 में समाप्त हो गया है। आठ साल में पहली बार है जब भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी है। भारत की इस टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी और उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर अपनी उम्मीदें जिंदा रखी थी, लेकिन ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार गई।

भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करने के करीब था, लेकिन टीम ने अंत में विकेट गंवाए और उसे नौ रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच पर टिकी थी। पाकिस्तान की जीत भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा सकती थी। ग्रुप ए से ऑस्ट्रेलिया सभी चार मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी, जबकि दूसरे स्थान के लिए न्यूजीलैंड, भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला था।

किस तरह सेमीफाइनल में पहुंच सकता था भारत?

भारत के दो मैचों में दो जीत और दो हार के साथ चार अंक थे और इस मैच से पहले उसका नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर था। अगर न्यूजीलैंड यह मैच हार जाता तो पाकिस्तान और भारत के साथ उसके भी चार अंक होते और दूसरे सेमीफाइनलिस्ट का फैसला नेट रन रेट के आधार पर होता। बेहतर नेट रन रेट होने के कारण भारत अंतिम चार में प्रवेश कर लेता। हालांकि, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 54 रनों से हराया जिससे उसके चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक हुए और वह अंतिम चार में प्रवेश कर गया। 2016 के बाद पहली बार है जब न्यूजीलैंड की टीम ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

भारत पिछले तीन सत्रों में लगातार सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा है। टीम ने 2020 में फाइनल में भी जगह बनाई थी और वह खिताब जीतने की ओर बढ़ गया था। हालांकि, उस समय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में हराया था। भारत इस टूर्नामेंट में अपने खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरा था और उम्मीद थी कि हरमनप्रीत की टीम इस बार अपना प्रभाव छोड़ेगी, लेकिन टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

बिना वीजा के दिल्ली पहुंची ओलंपिक स्वर्ण विजेता शूटर,स्पेन वापस भेजने की थी तैयारी

नई दिल्ली। विश्व कप फाइनल के लिए खेलने आ रही ओलंपिक और पूर्व विश्व चैंपियन स्पेन की शूटर फातिमा गालवेज बिना वीजा के भारत पहुंच गईं। वह स्पेनिश टीम के साथ शनिवार की देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरीं। टीम के अन्य दो सदस्यों के पास वीजा था, लेकिन ट्रैप शूटर फातिमा के बिना वीजा नहीं होने के कारण उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक दिया। अधिकारियों को हैरानी इस बात की थी कि वीजा नहीं होने के बावजूद महिला शूटर को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने बिठा कैसे लिया। शूटर को वापस स्पेन भेजे जाने की तैयारी थी, लेकिन एनआरएआई के हस्तक्षेप के बाद उन्हें रविवार की सुबह टेंपरेरी लैंडिंग परमिट (टीएलपी) जारी किया गया। इसके बाद वह एयरपोर्ट से बाहर निकल पाईं। वह अब विश्वकप फाइनल में खेल पाएंगी।

कोच द्रादी और साथी शूटर के पास था वीजा

सूत्र बताते हैं कि इस नाटकीय घटनाक्रम ने एयरपोर्ट और एनआरएआई अधिकारियों की नींद उड़ा दी। फातिमा ने ई वीजा के लिए आवेदन किया था, लेकिन इसे कुछ दस्तावेजों के आभाव में खारिज कर दिया गया था। फातिमा के साथ भारत के पूर्व शूटिंग कोच और वर्तमान में स्पेन के कोच मार्सेलो द्रादी और पुरुष ट्रैप शूटर अल्बर्टो फर्नांडीज थे। इन दोनों का वीजा था। फातिमा के साथ ये दोनों भी सुबह तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। एनआरएआई के जरिए फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एफआरआरओ) के पास मामला पहुंचा। उन्हें बताया गया कि फातिमा नामी शूटर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण समेत तीन रजत दो कांस्य जीत चुकी हैं और पहले भी भारत आ चुकी है। इसके बाद एफआरआरओ ने उन्हें टीएलपी जारी किया।

डेनमार्क ओपन में खोया फॉर्म हासिल करने उतरेंगे सिंधू-लक्ष्य, मालविका-आकर्षि पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 850000 डॉलर ईनामी राशि के डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिये फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। दोनों खिलाड़ियों का पिछले सप्ताह फिनलैंड के वांता में हुए आर्कटिक ओपन में प्रदर्शन औसत रहा। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू पहले ही दौर में बाहर हो गई, जबकि 2021 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन दूसरे दौर में हार गए। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे सेन को चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन ने हराया था। अब यहां उनका सामना पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू से होगा जिनसे उनकी पहली ही टक्कर है।

दूसरे दौर में वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से टकरा सकते हैं। विश्व चैम्पियन थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से क्वार्टर फाइनल में टक्कर हो सकती है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा जो पहले दौर में कनाडा की मिशेले ली से हार गई थी। नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के ली ह्यून इल के मार्गदर्शन में वह पहले दौर में चीनी ताइपै की पेइ यू पो से खेलेंगी । दूसरे दौर में उनका चीन की हान युइ से सामना हो सकता है। महिला वर्ग में फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा भी उतरेंगी। चीन ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची बंसोड का सामना पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन टी लिन्ह से होगा जबकि कश्यप की टक्कर थाईलैंड की सुपनिदा केटथोंग से होगी।

विश्व कप फाइनल्स में नहीं खेलेंगे भारत के ओलंपिक पदक विजेता शूटर

23 सदस्यीय टीम उतरेगी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में तीन पदक जीतने के बाद 23 भारतीय निशानेबाज सोमवार से कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू होने जा रहे विश्वकप फाइनल्स में निशाना साधने जा रहे हैं। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह फाइनल्स में नहीं खेलेंगे, लेकिन पेरिस में खेलने वाले नौ भारतीय निशानेबाज देश के लिए दावेदारी पेश करेंगे। इनमें रिद्म सांगवान (10 मीटर एयरपिस्टल, 25 मी. पिस्टल), 10 मी. एयरराइफल में चौथे स्थान पर रहने वाले अर्जुन बबूटा, अर्जुन चीमा (10 मी. एयरपिस्टल), अनीश, विजयवीर सिद्धू (25 मी. पिस्टल), अनंतजीत सिंह नरूका, महेश्वरी चौहान (स्कीट), राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी सिंह (ट्रैप) शामिल हैं।

1.65 करोड़ की इनामी राशि

टूर्नामेंट में 37 देशों के 131 शूटर भाग ले रहे हैं। इनमें ओलंपिक पदक विजेता तुर्किये के युसुफ डिकेच, हंगरी की मेजर वेरोनिका, स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन जैसे शूटर शामिल हैं। एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव के अनुसार टूर्नामेंट में 1.65 करोड़ रुपए की इनामी राशि रखी गई है। स्वर्ण पदक विजेता को 5000 यूरो (लगभग 4.60 लाख रुपए) मिलेंगे। वर्ष के अंतिम टूर्नामेंट फाइनल्स में ओलंपिक पदक विजेता समेत विश्वकप में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शूटर शिरकत करते हैं, लेकिन भारत को मेजबान होने के नाते प्रत्येक इवेंट में दो वाइल्ड कार्ड मिले हैं।

जूनियर विश्वकप होगा भारत में

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग महासंघ के अध्यक्ष लूसियानो रोसी ने घोषणा की कि एनआरएआई की मांग पर भारत को अगले वर्ष जूनियर विश्व कप की मेजबानी दी जा रही है। रोसी ने यह भी कहा कि 2027 के एक ओलंपिक क्वालिफायर की मेजबानी भी एनआरएआई ने मांगी है। इस पर भी विचार किया जाएगा। यही नहीं, रोसी ने यह भी बताया कि अगले वर्ष से शूटिंग के कुछ नियमों में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होगी। शॉटगन में छह फाइनलिस्ट होते हैं, इन्हें सभी के समान 8 करने का विचार है। इसके अलावा ओलंपिक में शूटऑफ को काफी पसंद किया गया। इसे भी और रोचक बनाया जाएगा। शॉटगन के फाइनल और रोचक और छोटा बनाने की भी योजना है।

हॉकी इंडिया लीग महिला नीलामी के लिए 350 से ज्यादा खिलाड़ी तैयार

नई दिल्ली। सात साल के अंतराल के बाद, बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग 2024-25 एक विस्तारित प्रारूप के साथ शानदार वापसी कर रही है, जिसमें पुरुषों और पहली महिला लीग दोनों शामिल है। 15 अक्टूबर को होने वाली ऐतिहासिक महिला नीलामी हॉकी की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि है, जो खेल के विकास और महिला हॉकी की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाती है। एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरूआत न केवल महिला एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, बल्कि पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ समानता भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। यह भारत में उन दुर्लभ उदाहरणों में से एक है, जहां किसी प्रमुख खेल लीग के पुरुष और महिला दोनों संस्करण एक साथ चलेंगे।

नीलामी में 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ी महिला एचआईएल के उद्घाटन सत्र में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण भारत की शीर्ष महिला हॉकी सितारे होंगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, टीम की कप्तान सलीमा टेटे, उभरती हुई ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेमसियामी शामिल हैं। इसके अलावा, योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे नीलामी में और भी रोमांच जुड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टेपेनहॉर्स्ट (जर्मनी), मारिया ग्रेनाटो (अर्जेंटीना), राचेल लिंच (ऑस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) जैसी प्रसिद्ध खिलाड़ी भाग लेने के लिए तैयार हैं, जिससे पहली बार होने वाली महिला एचआईएल नीलामी में वैश्विक तमाशा सुनिश्चित होगा। विशेष रूप से, एचआईएल 2024-25 के महिला संस्करण के पहले सीज़न में कुल चार टीमें भाग लेंगी, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सीजन में दो और टीमें शामिल होंगी।

रणजी ट्रॉफी: डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई पहला ही मैच हारी, बड़ौदा ने 84 रन से हराया

नई दिल्ली। बड़ौदा के स्पिनर भार्गव भट्ट ने दोनों पारियों में 10 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई को रणजी ट्रॉफी-2024-25 के पहले ही मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई को बड़ौदा ने मुंबई को 84 रन से हराया। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी वाली बड़ौदा की टीम ने मुंबई को 262 रन का टारगेट दिया था, लेकिन मुंबई की टीम आखिरी पारी में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले, बड़ौदा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पहली पारी में 290 रन बनाई। जवाब में मुंबई 214 रन ही बना सकी। फिर बड़ौदा ने दूसरी पारी में 185 रन बनाते हुए 261 रन की बढ़त बनाई। रणजी का मौजूदा सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हुआ। पहले राउंड में 16 मैच खेले जाने हैं।

भार्गव भट्ट रहे जीत के हीरो

बड़ौदा की जीत के हीरो भार्गव भट्ट रहे। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने दोनों पारियों में 10 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। दूसरी पारी में रहाणे, अय्यर, सिद्धेश लाड का अहम विकेट चटकाया। वहीं पहली बारी में भी भार्गव भट्ट ने 4 विकेट हासिल किए। मुंबई को जीत के लिए 262 रन का लक्ष्य मिला। श्रेयस अय्यर 30 और रहाणे व पृथ्वी शॉट 12-12 रन बनाकर आउट हुए। 137 रन पर 8 विकेट गंवाने वाली टीम को सिद्धेश लाड (59) ने मुंबई को 177 रन तक जरूर पहुंचाया।

लेकिन उनकी यह पारी टीम को हार से नहीं बचा पाईं। मुंबई की टीम में चार टेस्ट क्रिकेटर थे। मुंबई के लिए इस मैच में अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, पृथ्वी शॉ और शार्दुल ठाकुर भी खेले। बड़ौदा के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाला सिर्फ एक क्रिकेटर (कृणाल पंड्या) थे। उन्होंने दूसरी पारी में 55 रन की अहम पारी खेली।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ग्रीन बाहर, आईपीएल भी नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी कैमरन ग्रीन को पीठ में तकलीफ की वजह से सर्जरी से गुजरना होगा, जिसका मतलब ये हुआ कि वह अब भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फैक्चर है जिसके लिए उन्होंने सर्जरी का विकल्प चुना है, उनकी वापसी अब कम से कम छह महीने बाद ही मुमकिन हो पाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मेडिकल स्टाफ के साथ पिछले दो हफ्तों से चल रही लंबी बातचीत के बाद ग्रीन ने ये फैसला किया है। सीए का मानना है कि वैसे तो सर्जरी के बाद वापसी और पूरी तरह ठीक होना खिलाड़ी के ऊपर निर्भर होता है और इसमें नौ महीनों तक का वक्त लग सकता है। हालांकि उन्हें भरोसा है कि ग्रीन छह महीनों में वापसी कर सकते हैं। छह महीने क्रिकेट से दूर होने का मतलब है कि ग्रीन अब भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ-साथ श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का हिस्सा नहीं होंगे। इसके अलावा वह आईपीएल भी नहीं खेल पाएंगे और अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पहुंचती है तो वहां भी ग्रीन टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। सीए का मानना है कि अगले साल जून और जुलाई में कैरेबियाई दौरे पर जाने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी ग्रीन अब हिस्सा नहीं रह पाएंगे, उनकी वापसी होने के बाद गेंदबाजी के लिए वह कब तैयार होते हैं ये भी देखना अहम होगा।

अर्थ ज्योति

सोना फिर पहुंचा 78,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर, चांदी 500 रुपए उछली

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, स्टॉकिस्टों और व्यापारियों की ओर से लगातार खरीदारी के बाद सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 200 रुपए की तेजी के साथ 78,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंची। हालांकि, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में गिरावट आई। शुक्रवार को पीली धातु 78,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। ताजा औद्योगिक मांग के कारण चांदी 500 रुपए उछलकर 93,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। इसके अतिरिक्त 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 600 रुपए चढ़कर 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में यह धातु 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इससे पहले 7 अक्टूबर को सोने की कीमत रिकॉर्ड 78,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में कमजोरी के रुख के बावजूद घरेलू बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी आई। इसका मुख्य कारण आभूषण विक्रेताओं की ओर से मांग में वृद्धि है।

सब्जियों के आसमान छूते भाव का दिखा असर

सितंबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 5.49 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की खुदरा महंगाई दर इस साल अगस्त में 3.65 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 5.49 फीसदी हो गई। मुद्रास्फीति में इस वृद्धि के मुख्य योगदानकर्ताओं में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, बढ़ी हुई मांग और अन्य आर्थिक कारक शामिल हो सकते हैं जो भारतीय परिवारों के लिए जीवनयापन की लागत को प्रभावित कर रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2023 में 5.02 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों से पता चला है कि खाद्य टोकरी में मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 5.66 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने में 6.62 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक, जिसने इस महीने की शुरुआत में प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर को अपरिवर्तित रखा था, को सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि मुद्रास्फीति दोनों तरफ 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से आगे बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

शिव के तांडव के पीछे की कहानी

जानें कौन है नटराज के पैरों के नीचे

भगवान शिव नृत्यु क्यों करते हैं और नृत्य से कौन सी ऊर्जा का संचार करते हैं। साथ ही नटरजा के पैरों के नीचे कौन है, जिस पर वह नृत्य कर रहे हैं। आइए जानते हैं नटराज के पैरों के नीचे बौना राक्षस कौन है। उत्सव, खुशी, मिलन, कृतज्ञता, उत्साह और असीम शांति से भरी एक दिव्य अनुभूति है नृत्य। नृत्य में हमारी ऊर्जा ब्रह्मांडीय ऊर्जा के साथ एक होने लगती है। नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है। शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है। इस नृत्य में गति है, और इस गति में नृत्य है। नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है। इसी गति को पाना प्रभु को पाना है। जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा।

नृत्य परमात्मा की परम पूजा में लीन होना होता है। नृत्य कोई विचार नहीं है, बल्कि यह समस्त विचारों, मानसिक विकारों को वतर्मान से बाहर करने का मार्ग है। नृत्य में जब व्यक्ति अपनी सुध-बुध खोकर परमात्मा से एक हो जाना चाहता है, तब नृत्य उसके लिए पूजा बन जाता है। जब कोई नृत्य में होता है तो उसके लिए समय हो या विचार, सब ठहर जाते हैं। उसके अंदर जितने तरह के भय या दुख रहते हैं, विलीन हो जाते हैं। यहां तक कि भूत-भविष्य का भी लोप हो जाता है। रह जाता है सिर्फ वर्तमान और उसके साथ उस क्षण का वह आनंद जो परमात्मा से साक्षात मिलन का साक्षी होता है।

वैदिक काल से ही नृत्य भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋग्वेद के कई श्लोकों में इंद्र को ब्रह्मांड को नचाने वाला कहा गया है। यजुर्वेद से पता चलता है कि वैदिक युग में नृत्य करने वाले खूब थे। अथर्ववेद में कहा है, 'स्यां गायंति नृत्यंति भूम्यां मर्त्यायैलिवाः, युद्धंते यस्यमा-न्दो यस्यां वदति दुन्दुभिः।' यानी जहां आनंद के बाजे बज रहे हैं, लोग प्रसन्नता से नाचते-गाते हैं और वीर लोग उत्साह से राष्ट्र की रक्षा में तत्पर हैं।

स्कंद पुराण में शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा है। नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है। यह अपस्मरा नाम का राक्षस है। इस राक्षस को अभिमान और अज्ञानता का प्रतीक माना गया है।

मगर शिव क्या कर रहे हैं? वह इस राक्षस को क्रोधित होकर मार भी सकते थे। मगर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं। वो नृत्य के आनंद में हैं, जिसके पैरों तले अभिमान और अज्ञानता नाम का राक्षस कुचला जा रहा है।

हमारे भारतीय जीवन में कोई भी उत्सव नृत्य के बगैर पूरा नहीं माना जाता। उत्सव जीवन में उजाला लेकर आते हैं, जिसमें नृत्य के जरिए अज्ञान और अभिमान को खत्म करना हमारी सांस्कृतिक विरासत है। इसीलिए भारत के हर प्रांत में अलग-अलग नृत्य प्रचलित रहे हैं। भरतनाट्यम्, कथकली, कथक, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कुचिपुड़ी, सत्रीया नृत्य आदि भारत की विरासत हैं, जो परमात्मा के अलग-अलग रूपों की आराधना के लिए वर्णित हैं। भारत के अनेक पौराणिक मंदिर इन नृत्यों का इतिहास दर्शाते हैं। नृत्यों के माध्यम से कथाओं और कहानियों को भी दर्शाया जाता है। नृत्य करने और देखने वाले दोनों के लिए वह पल दिव्यता से भर जाता है।

भारत में शास्त्रीय नृत्य हों, या फिर पारंपरिक लोक नृत्य, भांगड़ा, गरबा से लेकर, शादी के नृत्य और western ballroom dance आदि हों, यह बस वास्तव में दिव्यता से एक हो जाने का अहसास कराते हैं। नृत्य करिए, अकेले में करिए और हो सके तो सबके साथ मिलकर करिए, ताकि जीवन के उत्सव का जश्न सामूहिक रूप से मनाया जा सके। आप अपने जीवन में dance करने का मौका कभी न छोड़िएगा। हां, जब शरीर से dance न कर रहे हों, तब परमात्मा का शुक्राना करते हुए मन ही मन dance कर चेहरे पर मुस्कुराहट को बनाए रखिएगा।

भगवान शंकर के ज्ञान और धर्म से युक्त वचन रचना सुनकर प्रभु श्रीराम हुए संतुष्ट

भगवान शंकर ने यहां अपने मन की स्थिति व भगवान की आज्ञा का कितना सुंदर समन्वय बनाया। वे भगवान राम से रुष्ट भी तो हो सकते थे। वे कह सकते थे, कि हे प्रभु! आप भी कितनी कच्ची बात करते हैं। क्या आपको भी पत्नी के वियोग की पीड़ा समझानी पड़ेगी? भगवान श्रीराम जी ने, भगवान शंकर से विनती की, कि अब आप श्रीपार्वती जी से विवाह करने को तत्पर हों। जैसे ही श्रीराम जी के यह वचन भोलेनाथ ने सुने, तो वे बोले-

'कह सिव जदपि उचित अस नाहीं।
नाथ बचन पुनि मेटि न जाहीं।।
सिर धरि आयसु करिअ तुम्हारा।
परम धरमु यह नाथ हमारा।।'

भगवान शिव बोले, कि यद्यपि विवाह करना हमारे लिए किंचित भी उचित नहीं है। किंतु स्वामी की बात भी मेटी नहीं जा सकती। हे नाथ! मेरा यही परम धर्म है, कि मैं आपकी आज्ञा को सिर पर रखकर उसका पालन करुं। भगवान शंकर ने यहां अपने मन की स्थिति व भगवान की आज्ञा का कितना सुंदर समन्वय बनाया। वे भगवान राम से रुष्ट भी तो हो सकते थे। वे कह सकते थे, कि हे प्रभु! आप भी कितनी कच्ची बात करते हैं।

क्या आपको भी पत्नी के वियोग की पीड़ा समझानी पड़ेगी? आपको तो पता ही है, कि श्रीसीता जी को जब रावण हरण करके ले गया था, तो आप कितनी असहनीय पीड़ा में चले गये थे। पत्तों-पत्तों, टहनियों व भंवरों से भी आप पूछ रहे थे, कि मेरी सीते कहाँ है। वह भी तब जब श्रीसीता जी तो केवल खोई थी। उन्होंने सती जी की भांति देह नहीं त्यागी थी।

इस परिस्थिति में कोई आपको कहता, कि हे राम जी! विलाप छोड़िए। अगर आपकी एक पत्नी का आपसे बिछोह हो गया है, तो आप दूसरी शादी कर इस पीड़ा से निकल भी तो सकते हैं। आपके पिता श्रीदशरथ जी ने कौन सी तीन शादियां नहीं की थी। अब आप बताइये, कि क्या इस विचार को आप मान लेते, कि आप श्रीसती जी को छोड़, एक अन्य विवाह कर लेते? ठीक इसी प्रकार से हमारा भी अब मन नहीं कि हम विवाह करें। किंतु क्योंकि हमें ऐसी आज्ञा देने वाले कोई और नहीं, बल्कि स्वयं श्रीनारायण हैं। तो ऐसे में तो मैं केवल एक ही बात कह सकता हूं।

शरद पूर्णिमा

श्रीकृष्ण गोपियों संग करते हैं महारास और महालक्ष्मी करती हैं पृथ्वी का भ्रमण

बुधवार, 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा है। दीपावली (कार्तिक अमावस्या) से पहले आश्विन पूर्णिमा पर देवी लक्ष्मी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं और जो भक्त रात में जागकर लक्ष्मी पूजा करते हैं, उन्हें देवी की विशेष कृपा मिलती है। ऐसी मान्यता है। एक अन्य मान्यता ये है कि इस तिथि की रात श्रीकृष्ण गोपियों संग महारास रचाते हैं। इस पर्व पर मथुरा-वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन पर्वत, निधिवन में काफी अधिक भक्त पहुंचते हैं। शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान में चंद्र की रोशनी में खीर बनाने की परंपरा है। पौराणिक मान्यता है कि इस रात चंद्र की किरणें हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक रहती हैं। इसी वजह से शरद पूर्णिमा की रात खीर बनाई जाती है, रात में चांद की चांदनी में बैठते हैं, ध्यान करते हैं, मंत्र जप करते हैं। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहते हैं, क्योंकि देवी लक्ष्मी इस पर्व की रात में धरती का भ्रमण करती हैं और पूछती हैं कोजागृति यानी कौन जाग रहा है। इस रात में लोग जागते हैं और पूजा-पाठ करते हैं, उनसे देवी लक्ष्मी उनसे प्रसन्न होती हैं। शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं के साथ दिखाई देता है।

चंद्रदेव को लगाते हैं खीर का भोग

पौराणिक कथाओं में चंद्र को शांति और पवित्रता का प्रतीक माना है। चंद्र सबसे तेज चलने वाला ग्रह है, ये करीब ढाई दिन में ही राशि बदल लेता है, इसी वजह से ज्योतिष में चंद्र को मन का कारक कहते हैं। ये ग्रह कर्क राशि का स्वामी है। पूर्णिमा की रात चंद्र अपने पूरे प्रभाव में होता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्र से संबंधित दोष हैं, उन्हें पूर्णिमा की रात चंद्र देव की पूजा करनी चाहिए और खीर का भोग लगाना चाहिए। माना जाता है कि चंद्र देव को खीर अर्पित करने से चंद्र के दोषों का असर कम होता है।

शरद पूर्णिमा पर करें ये शुभ काम

देवी लक्ष्मी के साथ विष्णु जी अभिषेक करें। श्रीसूक्त, लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें। पूजा में खीर का भोग लगाएं। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं। सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो राम नाम मंत्र का जप भी कर सकते हैं। भगवान गणेश, शिव जी, देवी पार्वती की भी पूजा करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। बिल्व पत्र, धतूरा, दूर्वा, आंकड़े के फूल चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। जरूरतमंद लोगों को अनाज, धन, कपड़े, जूते-चप्पल का दान करें। छोटी कन्याओं को पढ़ाई की चीजें दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

किसी तालाब में मछलियों को आटे से बनी गोलियां खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। देवी मां को लाल चुनरी चढ़ाएं।

पूजा-विधि और महत्व

इस महीने की पूर्णिमा को आश्विन पूर्णिमा के नाम से जाना जाएगा। उदया तिथि के चलते 17 अक्टूबर के दिन पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। हालांकि कई पंडितों और पुजारियों का कहना है कि शारदीय पूर्णिमा का व्रत 16 अक्टूबर को रखा जाएगा। पूर्णिमा तिथि पर लक्ष्मी मां की पूजा-उपासना करने से घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को अर्घ्य भी दिया जाता है। पवित्र नदी में स्नान करें या पानी में गंगाजल मिलकर स्नान करें

भगवान श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी का जलाभिषेक करें

माता का पंचामृत सहित गंगाजल से अभिषेक करें

अब मां लक्ष्मी को लाल चंदन, लाल रंग के फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें

मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें

संभव हो तो व्रत रखें और व्रत लेने का संकल्प करें

आश्विन पूर्णिमा की व्रत कथा का पाठ करें

श्री लक्ष्मी सूक्तम का पाठ करें

पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्री हरि विष्णु और लक्ष्मी जी की आरती करें

माता को खीर का भोग लगाएं

चंद्रोदय के समय चंद्रमा को अर्घ्य दें

अंत में क्षमा प्रार्थना करें

आश्विन पूर्णिमा का महत्व

आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान स्नान और दान करने का खास महत्व है। आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

साथ ही आश्विन पूर्णिमा के दिन चंद्र देव और धन की देवी मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने का विधान है। इसलिए आश्विन पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान किया जाता है। हिंदू धर्म में हर साल आश्विन माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को शरद पूर्णिमा मनाई जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करने की परंपरा है। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा की रात को बहुत खास माना जाता है।

कब है करवा चौथ ?

शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा जाता है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती है और परंपारिक परिधान पहनती है। जब शाम के चंद्रोदय हो जाता है इसके बाद चंद्र को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। सुहागिन महिलाओं के लिए करवा चौथ का व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस व्रत को ज्यादातर शादी-शुदा महिलाएं रखती हैं। पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखा जाता है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग के लिए सोलह श्रृंगार करती हैं। शाम के समय जब चंद्रोदय हो जाता है तो चंद्रमा के अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है।

कब है करवा चौथ ?

इस साल करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर 2024, दिन रविवार को रखा जाएगा। इस दिन सुहागिन महिलाएं कठिन व्रत का पालन करती हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से पति की लंबी उम्र और सुरक्षा प्राप्त होती है। इसके साथ ही घर में सुख-समृद्धि आती है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

-चतुर्थी तिथि प्रारंभ- 20 अक्टूबर 2024 को 6.46 बजे

- चतुर्थी तिथि समाप्त - 21 अक्टूबर 2024 को 4.16 बजे

- करवा चौथ व्रत समय - सुबह 6.25 से शाम 7.54 - अवधि - 13 घंटे 29 मिनट्स

करवा चौथ पूजा मुहूर्त

- करवा चौथ पूजा मुहूर्त शाम 05.46 बजे से शाम 7.02 बजे तक है।

- अवधि 1 घंटा 16 मिनट्स

-करवा चौथ के दिन चंद्रोदय का समय- शाम 7.54 बजे

करवा चौथ व्रत सामग्री

मिट्टी या तांबे का करवा और ढक्कन, पान, सींक, कलश, अक्षत, चंदन, फल, पीली मिट्टी, फूल, हल्दी, लकड़ी का आसान, देसी घी, कच्चा दूध, दही, शहद, शक्कर का बूरा, रोली और मौली, मिठाई, चलनी।

करवा चौथ पूजा विधि

- सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

- मंदिर और घर की सफाई करें।

- सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान पूजा करें।

- इसके बाद करवा चौथ व्रत रखने का संकल्प लें।

- संध्या के समय शुभ मुहूर्त में करवा चौथ की व्रत कथा का पाठ करें।

- फिर चंद्रमा की पूजा करें।

- चंद्रोदय होने के बाद अर्घ्य दें।

- पति को छलनी से देखकर आरती उतारें।

- आखिर में पति द्वारा पत्नी को पानी पिलाकर व्रत पारण किया जाता है।

शरद पूर्णिमा महोत्सव कल, खीर के साथ देंगे श्वांस रोग की दवा

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। शहर के श्री सीताराम बाबा बावड़ी आश्रम पर बुधवार को शरद पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा। महामंडलेश्वर ओमकारदास महाराज ने बताया कि खीर के साथ दमा, श्वांस रोगियों को निशुल्क दवा दी जाएगी। वही रेलवे स्टेशन स्थित इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर, श्री रघुनाथ मंदिर, श्री गोपीनाथ मंदिर, खेड़ापति बालाजी मंदिर, श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर सहित क्षेत्र के मंदिरों में शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा और चंद्रकला युक्त खीर प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

सांध्य ज्योति दर्पण के संस्करण कार्यालय

अलवर कार्यालय
केडलगंज, अलवर,
संपादक सीपी सैनी
फोन : 2335105,

नागौर कार्यालय
राजकीय अस्पताल के सामने,
नागौर
सम्पादक : रमेश जैन,
फोन : 240071,
फैक्स- 01582-240071

भरतपुर कार्यालय
कोतवाली रोड, भरतपुर
संपादक : जगदीश अग्रवाल,
फोन : 223780

सूचना

जयपुर के आसपास के क्षेत्र में समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए एजेंट/ एजेंसी संपर्क करें।

पदमाकर शर्मा
मो. 9462779250, 8875007955

आपके क्षेत्र की समस्या या कोई घटना जिससे जनता प्रभावित हो रही हो ऐसे समाचार आप छपवाना चाहते हैं तो निम्न पते पर भिजवायें या फैक्स, ईमेल करें।

सम्पादकीय शाखा
दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण
डी.एल.टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम,
संस्थानिक क्षेत्र,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
फोन: 2709102/03,
फैक्स: 2709275
ईमेल: sjdjp01@yahoo.co.in
Jyoti.sandhya@gmail.com

आवश्यक सूचना

आप अपने क्षेत्र के समाचार / विज्ञापन के लिए हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधि से सम्पर्क करें :

जयपुर
अमित पारीक
10/75, चित्रकूट,
वैशाली नगर, जयपुर
मो.- 9829055693

उदयपुर
कलाधर शर्मा
मो. : 9983826983

दौसा
द्वारका प्रसाद विजय
मो.: 9414819681

कोटा
योगेन्द्र योगी
मो. : 9887292174

चौमूं
मनीष यादव
मो. : 9667902742,
7014880612

रींगस/ खाटूश्यामजी
विद्याधर शर्मा
मो. : 9413072455

कोटपुतली
मयंक शर्मा
मो. : 9352106400

लक्ष्मणगढ़
पूनम विशाल
मो. : 9351274354

मण्डावर (दौसा)
राहुल जोशी
मो. : 8561935868

चाकसू
रूपनारायण सांवरिया
मो. : 6376888905

धौलपुर
वेदप्रकाश त्यागी
मो. : 9351845611

श्रीमाधोपुर में नटराज नृत्य प्रतियोगिता

नृत्य कौशल का शानदार प्रदर्शनः एकल डांस में संध्या शर्मा और ग्रुप डांस में स्माइल ग्रुप रहा विनर

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। शहर के पुराने बस स्टैंड पर श्री रघुनाथ कला केंद्र, श्रीमाधोपुर की ओर से रविवार रात को नटराज नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस एकल और समूह नृत्य प्रतियोगिता में क्षेत्र की प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। देर रात तक चली इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने नृत्य कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन समिति के सदस्य तनसुख कुमावत, परमेश्वर और अनिल कटारिया ने बताया कि समूह नृत्य प्रतियोगिता में स्माइल डांस ग्रुप प्रथम स्थान पर रहा। द्वितीय स्थान शास्त्री बाल निकेतन ग्रुप ने हासिल किया, जबकि तृतीय स्थान पर ए वन ग्रुप रहा।

एकल नृत्य में नीमकाथाना की संध्या शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, दूसरे स्थान पर अनी कुमावत और तीसरे स्थान पर अंजली बजाज रहीं। समूह नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 7100 रुपए और एकल नृत्य विजेता को 5100 रुपए तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह देकर भी पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल में प्रशांत चंदेलिया, राजेंद्र घुमरिया, और मनोज सैनी ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान कला केंद्र के अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा, बिहारीलाल पारीक, कैलाश सारस्वत, महावीर ठठेरा, सोनू गोठवाल, मुकेश पारीक, मुकेश कुमार शर्मा समेत कला केंद्र के अन्य कलाकार व दर्शक मौजूद थे।

संपूर्ण सीकर जिले में धारा 144 लागू

14 अक्टूबर को सायं 6 बजे से 1 जनवरी 2025 की सायं 6 बजे तक प्रभावी

सांध्य ज्योति न्यूज

सीकर। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर दीपावली के पर्व पर पटाखों के माध्यम से असामाजिक तत्वो द्वारा सामान्य जनजीवन को खतरा उत्पन्न होने एवं लोकशांति के विक्षुब्ध होने की आंशका है। असामाजिक एंव साम्प्रदायिक तत्वों की गतिविधियों पर जनभावना व लोकसुरक्षा के लिए प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। सीकर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत प्रदत शक्तियो का प्रयोग करते हुए सीकर जिले की संपूर्ण सीमा क्षेत्र में धारा 144 लागू की गई है। आदेशानुसार जिले में राह चलते व्यक्तियो पर किसी प्रकार का पटाखा, अग्निबाण नहीं छोडा जावेगा तथा चलते हुए व्यक्तियो पर आतिशबाजी नही की जायेगी। कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति पर निशाना साध कर पटाखा नही छोडेगा एंव ना ही किसी व्यक्ति पर जलता हुआ पटाखा उछाल कर फेंकेगा। कोई भी व्यक्ति मात्रा 125 डेसिबल मे ध्वनि उत्पन्न करने वाले पटाखे न तो बेचेगा, न खरीदेगा एंव ना ही इसका परिवहन एवं उपयोग करेगा। जिले मे केवल ग्रीन आतिशबाजी के बेचने व चलाने की अनुमति होगी। ग्रीन आतिशबाजी की पहचान प्रत्येक आतिशबाजी के बॉक्स पर नीरी द्वारा जारी किये गये कोड को स्कैन करके की जा सकती है। जिले में पेट्रोल पम्प, गैस गोदामों से 100 मीटर की परिधि मे कोई व्यक्ति किसी प्रकार की आतिशबाजी, विस्फोटक पदार्थ या ज्वलनशील पदार्थ नही रखेगा एवं ना ही छोडेगा। जिले में ग्रीन आतिशबाजी को दिवाली, गुरूपर्व एवं अन्य त्यौहार पर रात्रि 8 बजे से 10 बजे, छठ पर्व पर प्रात: 6 बजे से 8 बजे तथा क्रिसमस एवं न्यू ईयर पर रात्रि 11.55 बजे से 12.30 बजे तक पटाखे चलाने, छोडने की अनुमति होगी। यह आदेश 14 अक्टूबर 2024 को सायं 6 बजे से 1 जनवरी 2025 की सायं 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। आदेश की अवहेलना या उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के प्रावधानों के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

करौली में नियमों के विपरीत निर्माणाधीन अवैध इमारतों, दुकानों, भवनों को किया सीज

सांध्य ज्योति न्यूज

करौली। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार उपखण्ड अधिकारी, आयुक्त नगरपरिषद करौली एवं पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा नगरपरिषद की टीम के समन्वय से 14 अक्टूबर 2024 को नगरपरिषद क्षेत्र में अवैध रूप से बिना मंजूरी के नियमों के विपरीत निर्माणाधीन इमारतों / दुकानों / भवनों को सीज करने की कार्यवाही की गई। जिसमें कुल 23 निर्माणधीन इमारते / दुकान/भवन सीज किये गये तथा साथ ही हिदायत भी दी गई यदि कोई सीज किये गये भवनों / इमारतों / दुकानों में सील को तोडने का प्रयास करता है या भवन में प्रवेश करता है तो निर्माणाधीन इमारत/भवन / दुकान को ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करते हुए उसके विरुद्ध नगरपालिका अधिनियम 2009 की सुसंगत धाराओं एवं अन्य विधिक धाराओं के अन्तर्गत एफ.आई.आर. व जुर्माने की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। उक्त कार्यवाही के दौरान उपखण्ड अधिकारी महेन्द्र गुर्जर, आयुक्त करणी सिंह, पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, कोतवाल सुनील सिंह, पुलिस जाप्ता (महिला/पुरुष), नगरपरिषद की ओर से आकाश कुमार शर्मा, अति.प्रशा.अधि., राहुल सैन (कनि.लिपि.) व नगरपरिषद के कर्मचारी मौजूद रहे। आयुक्त करणी सिंह ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा समय समय पर उक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 18 को

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा-2024 का आयोजन नीमकाथाना जिले में 18 अक्टूबर शुक्रवार को दोपहर 12 से 1 बजे आयोजित होगी। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के नीमकाथाना जिला संयोजक विनोद भारद्वाज ने बताया कि नीमकाथाना जिले में कुल 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। परीक्षा को लेकर प्रश्न पत्र तथा ओएमआर शीट एक दिन पूर्व संबंधित परीक्षा केंदो पर गायत्री परिवार के कार्यकर्ता द्वारा पहुंचा दिए जाएंगे। यह परीक्षा प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 13 भाषाओं में आयोजित की जाती है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के अभिवर्धन के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी विकास होता है। परीक्षा में तहसील, जिला व राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को उचित छात्रवृत्ति दी जाएगी।

सैनिक स्कूल में चयन पर अभिभावकों ने किया संस्था प्रधान का सम्मान

सांध्य ज्योति न्यूज

रींगस। कस्बे के मिल तिराहे पर संचालित उज्जवल केरियर एकेडमी में खुशी का माहौल देखने को मिला। जहां पर चंदवाजी निवासी देवेंद्र गुर्जर का सैनिक स्कूल नगरोटा में चयन होने पर अभिभावकों ने संस्था निदेशक सागर मल ऐचरा व संचालक शंकर लाल सामोता का माला पहनाकर और साफा बंधवा कर अभिनंदन किया और संस्थान में अध्ययनरत सभी बच्चों को मिठाई का वितरण किया। चयनित छात्र देवेन्द्र के पिता शैतान सिंह गुर्जर ने बताया कि उज्जवल केरियर एकेडमी का माहौल बहुत ही अच्छा है यहां पर बच्चे को कभी भी परिजनों की कमी नहीं खलती। गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री रामवतार बड़ियां ने बताया कि यहां के अच्छे शैक्षणिक माहौल की वजह से हमारे एक बच्चे सिद्धार्थ गुर्जर ने भी सफलता अर्जित की और अब दूसरा देवेन्द्र गुर्जर भी सफल हो गया। इनके अलावा अब 8 बच्चे अध्ययन कर रहे हैं और उज्जवल एकेडमी की टीम की मेहनत को देखते हुए उनके भी सफल होने की पूरी उम्मीद है। इसी के साथ अभिभावकों द्वारा उज्जवल केरियर एकेडमी के स्टाफ सदस्यों का भी माला पहनाकर और मुंह मीठा करवाकर सम्मान किया गया। गौरतलब है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उज्जवल केरियर एकेडमी के 107 बच्चों का सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल और जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है।

एनसीसी कैडेट राहुल सामोता ने जीती ट्रॉफी

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। शहर के एसबीएन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स राहुल सामोता ने दिल्ली में आयोजित टीएससी कैंप मेंओस्टिकल ट्रेनिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी प्राप्त की। महाविद्यालय आगमन पर एनसीसी कैडेट्स राहुल सामोता को एसबीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशन श्री माधोपुर के निदेशक डॉ मुकेश बल्डवाल एवं प्राचार्य डॉ एसके जाट ने फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय एनसीसी एएनओ डॉ मुकेश कुमार, एनसीसी जीसीआईअनिता दूसाद, प्रवीण शर्मा, श्रवण महला, ओमप्रकाश शर्मा, मदनलाल सैनी, जितेन्द्र निठारवाल, महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

रींगस में रूप बसंत के नाटक के साथ रामलीला संपन्न

सांध्य ज्योति न्यूज

रींगस। कस्बे में श्री सूर्य मंडल समाज सेवा समिति के द्वारा आयोजित 13 दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन रूप बसंत नाटक के साथ हुआ । मंडल के वरिष्ठ सदस्य संग्राम सिंह बलौदा ने बताया कि 12 दिनों तक रामलीला का मंचन किया गया जिसमें भगवान श्री राम के जीवन से जुड़ी विभिन्न लीलाओं का कुशलता पूर्वक स्थानीय व बाहरी कलाकारों द्वारा मंचन किया गया और प्रभू श्री राम का राजतिलक किया गया वहीं अंतिम दिन रूप बसंत का नाटक खेला गया है जिसे लोगों ने काफी सराहा। रूप और बसंत बने छोटे बाल कलाकारों के अभिनय से उपस्थित लोगों की आंखें छलक उठी उसके बाद समापन समारोह में समस्त कलाकारों को सम्मानित किया गया साथ ही प्रत्येक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले समस्त कस्बा वासियों का आभार व्यक्त किया गया और गौरतलब है कि में सूर्य मंडल समाज सेवा समिति द्वारा पिछले 45 सालों से भी अधिक समय से रामलीला व नाटक सहित सभी धार्मिक आयोजनों में भाग लेकर मंडल अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है विशेष कर भेरुजी मेला सहित तमाम आयोजनों में सभी सदस्य बढ चढकर भाग लेते हैं।

सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सीकर में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक

सांध्य ज्योति न्यूज

सीकर। जिला कलेक्टर मुकूल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल व स्टारमार्क में लम्बित प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर शर्मा ने सभी अधिकारियों को ई-फाइल के माध्यम से काम करने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम को कम करने के संबंध में निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर 30 दिनों से अधिक के मामलों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने दिवाली के मध्य नजर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले दुकानदारों, दुकानों एवं संस्थानों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्षिक पेंशन सत्यापन शत-प्रतिशत करने एवं उड़ान योजना के तहत सैनिटरी नैपकिन वितरण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर द्वारा खाटूश्यामजी एवं जीणमाता में होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बजट घोषणाओं के भूमि आवंटन संबंधित प्रकरणों में प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के संबंध में उच्चाधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर अतिशीघ्र कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट एवं ट्रिब्यूनल सहित विभिन्न आयोगो के लंबित चल रहे मामलों में रिप्लाई फाइल करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने दिवाली के मध्यनजर शहर में साफ-सफाई करने एवं बिजली के ढीले तारों को सही करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में 22 से 24 अक्टूबर 2024 तक आयोजित होने वाली सम्मान पात्रता परीक्षा के सफल क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा, जिला परिषद के सीईओ राजपाल यादव, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग,जलदाय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

खाटू में ईओ जिंदल ने किया पदभार ग्रहण

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे की नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी के पद पर हाल ही थानागाजी से स्थानांतरित होकर आए अधिशाषी अधिकारी देवेन्द्र कुमार जिंदल ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष ममता मुंडोतिया भी मौजूद रहीं। ईओ जिंदल के पदभार ग्रहण के दौरान स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चंदेलिया, लेखाकार विष्णु जांगिड़, संदीप पारीक, विजयपाल बाजिया, राजेन्द्र वर्मा,गीता बगड़िया,सुवा जाखड़, रामप्रताप जांगिड़, प्रदीप शर्मा,सुरेन्द्र कुड़ी, पार्षद राजवीर सिंह, दामोदर वर्मा सहित कर्मचारियों ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

श्रीमाधोपुर के प्रदीप कुमावत विधिक सेवा प्राधिकरण में डिप्टी सेक्रेटरी नियुक्त

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। स्थानीय निवासी प्रदीप कुमावत को राजस्थान उच्च न्यायालय में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का डिप्टी सेक्रेटरी (द्वितीय) के पद पर नियुक्त किया गया है। कुमावत वर्तमान में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, खेरवाड़ा, उदयपुर के पद पर पदस्थापित है। जिन्हें राज्य सरकार के आदेश के तहत राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। कुमावत की नियुक्ति पर शहरवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

गंगापुरसिटी के विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण

सांध्य ज्योति न्यूज

गंगापुर सिटी। स्थानीय कुहू इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण के लिए जयपुर गए। विद्यालय के निदेशक डॉक्टर हेमंत शर्मा एवं विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर मिथलेश शर्मा ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं बताया कि शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। ये भ्रमण विद्यार्थियों को अपने और दूसरों के अनुभव से सीखने का एक अच्छा अवसर देते हैं। जब विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाते हैं तो वे अपनी आँखों से प्रत्यक्ष रूप में देखकर किसी भी विषयवस्तु का वर्णन करने में सक्षम हो जाते है एवं बताया कि विद्यार्थी जयपुर स्थित नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, आमेर किला आदि जगहों पर घूमें। यह अपने पौधों, जानवरों, वन्य जीवन और जंगलों के संबंध में राजस्थान की विविधता को दर्शाता है।

प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रयासों में प्रकृति के साथ मानव इंटरफेंस को उजागर करने वाले विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण डायोरामा के अलावा डिजिटल रूप से स्थापित पैनल, इंटरैक्टिव प्रदर्शन और वन्यजीवन के फोटोग्राफिक चित्रण हैं। शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के प्रभारी एवं विद्यार्थी शामिल थे।

चीतों को मिला कूनो नेशनल पार्क से आजादी का टिकट

अब खुले जंगल में घूमते दिखेंगे विदेशी चीते

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। पीएम मोदी के जन्मदिन पर लगभग दो साल पहले दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतें अब खुले जंगल में विचरण कर सकेंगे। सरकार ने जल्द ही इन चीतों को सीमित दायरे वाले जंगल की जगह मुख्य जंगल में छोड़ने का निर्णय किया है। इसी के साथ, सरकार ने चीतों की अगली खेप की आमद को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया जाता है कि अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में ये चीते बेरोक-टोक जंगल में राज करेंगे। दरअसल, कुछ समय पहले ही चीता स्टेयरिंग कमिटी की मीटिंग हुई, जिसमें इस पर सहमति बनी और कमेटी ने इसके लिए इजाजत दे दी। कमेटी का मानना है कि विदेशी धरती से आए ये चीजें अब भारतीय परिवेश व आबोहवा के हिसाब से अच्छी तरह से रम गए हैं। इन्हें अब खुले जंगल में छोड़ा जा सकता है। अब इन चीतों की सीमा सिर्फ कूनो तक सीमित नहीं रहेगी।

दरअसल, जब पिछली बार इन चीतों को कूनो में छोड़ा गया था तो यह कुनो से निकलकर मध्य प्रदेश के दूसरे हिस्सों, यूपी व राजस्थान तक पहुंच गए थे। इन पर निगरानी करने वालों की नजर इन पर पड़ी तो इन्हें वापस लाया गया। पर्यावरण, वन संरक्षण व वायु परिवर्तन मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक,अब इन्हें वापस नहीं लाया जाएगा। इस बार इन्हें जब जंगल में छोड़ा जाएगा तो यह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र होंगे। इस दौरान चीता जिस राज्य की सीमा में घूमेंगे। उनके भोजन, सुरक्षा और संरक्षण की जानकारी संबंधित राज्य के वन विभाग की होगी। यह फैसला पिछले दिनों राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के वन विभाग के अधिकारियों की एक वर्कशॉप में लिया गया।

पश्चिम बंगाल के नादिया में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान देवी दुर्गा की एक मूर्ति को नाव पर 'पूजा पंडाल' में ले जाते श्रद्धालु।

मणिपुर में जातीय संघर्ष के समाधान के लिए गृह मंत्रालय की बैठक आज

इंफाल, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में गृह मंत्रालय ने मणिपुर में डेढ़ साल से जारी जातीय संघर्ष का समाधान खोजने और शांति बहाल करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में मेइती, नगा और कुकी-जो समुदायों के विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है।

हालांकि अधिकारियों ने मंगलवार की बैठक की न तो पुष्टि की और न ही इसका खंडन किया, लेकिन मेइती, नगा और कुकी-जो समुदायों के मंत्रियों और विधायकों ने बैठक के आयोजन की अलग-अलग पुष्टि की है। सूत्रों ने बताया कि मेइती और नगा समुदायों के कुछ मंत्रियों और विधायकों के बैठक में भाग लेने की संभावना है, लेकिन कुकी-जो समुदायों के मंत्रियों और विधायकों ने अभी तक बैठक में भाग लेने का फैसला नहीं किया है।

कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कैबिनेट मंत्री लेतपाओ हाओकिप ने पुष्टि की कि मणिपुर में मौजूदा जातीय स्थिति पर चर्चा के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में बैठक आयोजित करने का गृह मंत्रालय की ओर से प्रस्ताव आया है। हाओकिप ने आईएएनएस को फोन पर बताया, हमने (कुकी-जो विधायकों ने) अभी तक मंगलवार की बैठक में भाग लेने का फैसला नहीं किया है। हमने बैठकों के बारे में आपस में चर्चा भी नहीं की है। इंफाल में स्थानीय मीडिया ने बताया कि सभी नगा, कुकी-जो और मेइती विधायकों/मंत्रियों को गृह मंत्रालय द्वारा पत्रों और टेलीफोन कॉल के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है। इस बीच, पिछले वर्ष मई में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से सात भाजपा विधायकों सहित 10 विधायक मणिपुर में आदिवासियों के लिए अलग प्रशासनिक इकाई या केंद्र शासित प्रदेश की मांग कर रहे हैं। इन 10 विधायकों में लेतपाओ हाओकिप और नेमचा किपगेन भी शामिल हैं, जो मणिपुर में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारों ने कई मौकों पर अलग प्रशासन या केंद्र शासित प्रदेश की मांग को खारिज किया है। यह पहली बार है जब गृह मंत्रालय ने मणिपुर में 17 महीने पहले शुरू हुई हिंसा के बाद मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाई है। गैर-आदिवासी मेइती और आदिवासी कुकी-जो के बीच जातीय हिंसा पिछले साल 3 मई को पूर्वोत्तर राज्य में तब भड़की थी, जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया गया था। अब तक इस संघर्ष में 230 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इसके अलावा 11,133 घरों में आग लगा दी गई है, जिनमें से 4,569 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जातीय हिंसा के सिलसिले में विभिन्न पुलिस थानों में कुल 11,892 मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य सरकार ने 59,414 आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों को आश्रय प्रदान करने के लिए 302 राहत शिविर स्थापित किए हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रतिनिधिमंडल ने जेपीसी के साथ की बैठक

श्रीनगर, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के नेतृत्व में 14 अक्टूबर को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर अपने विचार और सुझाव पेश करने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के साथ बैठक की। बैठक संसदीय सौध के मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में भाग लेने वालों में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील रऊफ रहीम, सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी अकरामुल जब्बार खान, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी, जमीयत उलेमा-ए के सचिव मौलाना नियाज अहमद फारूकी शामिल थे। कि उन्होंने बैठक का बहिष्कार किया है क्योंकि समिति सिद्धांतों के साथ काम नहीं कर रही है। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वक्फ विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में कई प्रमुख सिफारिशें प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर रऊफ रहीम ने जमीयत की ओर से विधेयक के संवैधानिक पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण किया। विपक्षी दलों की कड़ी अस्वीकृति के बीच, केंद्रीय

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। एनडीए सहयोगी जेडी-यू, टीडीपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने इसका समर्थन किया। बिल। टीडीपी सांसद गंती हरीश मधुर ने कहा कि अगर विधेयक संसदीय समिति को भेजा जाता है तो उनकी पार्टी को कोई समस्या नहीं होगी। सरकार ने सहयोगियों और विपक्षी दलों की मांग को स्वीकार करते हुए इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के लिए गठित दोनों सदनों के संयुक्त पैनल में विपक्ष सहित विभिन्न दलों के 31 सांसद-21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से-शामिल हैं।

महाराष्ट्र की जनता इस चुनाव में राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्सुक हैः शरद पवार

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग राजनीतिक बदलाव के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों में यह भावना प्रतिबिंबित होगी। महा विकास आघाडी (एमवीए) के अन्य घटकों के नेताओं के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने दावा किया कि महायुति शासन के तहत राज्य प्रशासन का मनोबल गिर गया है जबकि महाराष्ट्र प्रशासन को देश में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था।

उन्होंने कहा, 'हम लोगों को वर्तमान सरकार से मुक्ति दिलाना चाहते हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारा समर्थन करेंगे।' उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एमवीए लोकसभा चुनाव जैसा प्रदर्शन दोहराएगा। महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राकांपा शामिल हैं। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि हाल में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के वोट प्रतिशत में केवल 0.6 प्रतिशत का अंतर है, फिर भी भाजपा को अधिक सीट मिलीं। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम पर चर्चा क्यों नहीं की जाती? अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, पार्टी (भाजपा) को वहां के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करनी चाहिए थी।' पवार ने महाराष्ट्र में हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने बंजारा समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, ''वह (मोदी) भूल जाते हैं कि इस समुदाय से ताल्लुक रखने वाले वसंतराव नाइक सबसे लंबे समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे।' कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य के लोग कभी भी किसी प्रधानमंत्री द्वारा आधिकारिक समारोहों में राजनीतिक भाषण देना स्वीकार नहीं करेंगे। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र का प्रशासन देश में सबसे अच्छा था। उन्होंने दावा किया, 'अब यह हतोत्साहित हो चुका है। हाल ही में जिस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं, वे आम आदमी का मजाक उड़ाने जैसा है।'' पवार ने कहा, 'हम लोगों को इस सरकार से मुक्ति दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग हमारा समर्थन करेंगे।' ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के हर कदम को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, जैसे कि राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में की गई दो गिरफ्तारियां और यहां तक कि बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस मुठभेड़ में मौत होना।

एआई में सहयोग के लिए केंद्र ने की मेटा के साथ साझेदारी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। हैदराबाद, बेंगलुरु, जोधपुर, चेन्नई और कानपुर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों में वर्चुअल रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी के 5 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए केंद्र सरकार ने मेटा के साथ एक बड़ी साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल द्वारा संचालित एक अभिनव एआई-चैटबॉट विकसित किया जाएगा। यह एआई-चैटबॉट स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल पर शिक्षार्थियों के अनुभव को बढ़ाएगा।

एसआईडी पोर्टल में एकीकृत किया जाने वाला चैटबॉट उपयोगकर्ताओं को 24 घंटे सहायता प्रदान करता है। इससे पाठ्यक्रम सामग्री के लिए इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर और प्रासंगिक वीडियो तक पहुंच संभव हो पाएगी। व्हाट्सएप पर उपलब्ध चैटबॉट अंग्रेजी, हिंदी और हिंग्लिश के

साथ-साथ आवाज क्षमताओं को सक्षम बनाएगा। इससे यह पूरे भारत में विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं के लिए काफी सुलभ हो जाएगा। उपयोगकर्ता यहां विशिष्ट पाठ्यक्रम विषयों की खोज कर सकेंगे। कौशल केंद्रों के बारे में जानकारी पा सकते हैं। स्थान और रुचि के आधार पर नौकरियों का पता लगा सकते हैं। निरंतर सुधार के लिए अनुरूप प्रतिक्रिया प्राप्त कर सकते हैं। चैटबॉट कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय को सटीक विश्लेषण भी प्रदान करेगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने सोमवार को यह पहल की। इसके अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में मेटा के साथ सहयोग होगा।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री जयंत चौधरी का कहना है, मंत्रालय में हमारा मिशन भारत के युवाओं को आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में सफलता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी जैसी तकनीकों को कौशल भारत तंत्र में एकीकृत कर रहे हैं। हम युवाओं के लिए व्यक्तिगत शिक्षण मार्ग को सक्षम करने वाली अत्याधुनिक तकनीकों तक पहुंच बना रहे हैं। मेटा के साथ हमारी आज की साझेदारी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थानों में स्थापित 5 उत्कृष्टता केंद्रों में शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को नवीनतम वीआर तकनीक से लैस करेंगे ताकि वे सुरक्षित, गहन और आकर्षक वातावरण में कौशल को बढ़ावा दे सकें। एआई असिस्टेंट में सहयोग के लिए साझेदारी का उद्देश्य सूचना तक पहुंच को सुव्यवस्थित करना, सीखने के परिणामों में सुधार करना और छात्रों को सहज डिजिटल इंटरफ़ेस के माध्यम से निर्बाध सहायता प्रदान करना है। स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल देश के कौशल तंत्र का आधार बन चुका है। इसमें लाखों छात्र अपनी रोजगार क्षमता में सुधार करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्राप्त कर रहे हैं।

कल सीएम पद की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला

एलजी ने किया आमंत्रित

श्रीनगर, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। एलजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 11 अक्टूबर को जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी के पत्र में कहा गया है, मुझे आपको जम्मू-कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था जिससे केंद्र शासित प्रदेश में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया था। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाये जाने का विभिन्न दलों ने स्वागत किया है।

वन नेशन वन इलेक्शन के बाद मोदी सरकार के एक और फैसले को चुनौती

केरल विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

बैंगलुरू, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। केरल विधानसभा ने केंद्र सरकार से विवादास्पद 2024 वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। वक्फ, हज यात्रा और खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान ने प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में कहा गया कि यह विधेयक संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों को कमजोर करता है। अब्दुरहीमन ने तर्क दिया कि यह विधेयक वक्फ मामलों के संबंध में राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है, प्रभावी रूप से वक्फ बोर्डों और न्यायाधिकरणों के अधिकार को कमजोर करता है, जिन्हें वक्फ संपत्तियों की देखरेख का काम सौंपा जाता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न केवल संविधान में उल्लिखित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर नामांकित सदस्यों के बोर्ड और एक नामांकित अध्यक्ष को नियुक्त करके लोकतांत्रिक मूल्यों को भी खतरे में डालता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और लोकतांत्रिक सिद्धांतों सहित मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक में ऐसे प्रावधान शामिल हैं जो संविधान की मूल बुनियाद के विपरीत हैं और उन्होंने केंद्र सरकार से इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया। प्रस्ताव को विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) से समर्थन मिला, जिसने प्रस्ताव में कई संशोधन प्रस्तावित किए, जिनमें से कुछ को चर्चा के दौरान स्वीकार कर लिया गया। यह द्विदलीय समझौता प्रस्तावित विधेयक के खिलाफ विधानसभा के सामूहिक रुख पर प्रकाश डालता है, जो संघीय अतिरेक और राज्य शासन में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के संरक्षण के बारे में व्यापक चिंताओं को दर्शाता है।

नियम कड़े लेकिन...मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट ने बीमार आरोपी को दे दी जमानत

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 429 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और हेराफेरी मामले में आरोपी पूणे के सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन को मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने पूर्व चेयरमैन अमर साधुराम मूलचंदानी की मेडिकल रिपोर्ट की समीक्षा करने के बाद यह निर्णय लिया। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जमानत के लिए कठोर शर्तें हैं, फिर भी बीमार और कमजोर व्यक्ति को जमानत दी जा सकती है। इससे पहले मुंबई के जेजे अस्पताल के चार एक्सपर्ट डॉक्टरों की एक बोर्ड ने रिपोर्ट तैयार की और उसे सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश किया गया। इस रिपोर्ट को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने कहा कि मूलचंदानी जेल में एक साल से ज्यादा समय से बंद हैं। उन्हें पिछले साल एक जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा कि पीएमएलए एक्ट की धारा-45 के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्त तय की गई है, लेकिन साथ ही कहा गया है कि बीमार और कमजोर शख्स को जमानत दी जा सकती है। पीएमएलए कानून के तहत जमानत के लिए कठोर नियम हैं। धारा-45 के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में आरोपी को तभी जमानत दी जा सकती है जब वह दो प्रमुख शर्तें पूरी करे। पहली शर्त कि पहली नजर में यह दिख रहा हो कि आरोपी ने अपराध नहीं किया। दूसरी कि जमानत मिलने के बाद अपराध की आशंका न बची हो। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अलग-अलग मामलों में जमानत देते हुए नई व्यवस्थाएं दी हैं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज करेंगे 3 एआई उत्कृष्टता केंद्रों का शुभारंभ

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसी)। देश को तीन अनूठे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र मिलने जा रहे हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) केंद्र, देशवासियों की स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और शहरों से जुड़े विषयों पर आधारित हैं। 'विकसित भारत' अभियान को साकार करने के लिए ये तीनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र, उच्च शिक्षण संस्थानों के अंतर्गत काम करेंगे। भारत में एआई को बढ़ावा देने और भारत के लिए एआई को कारगर बनाने के दृष्टिकोण के तहत, इन केंद्रों की स्थापना की घोषणा 2023-24 के बजट घोषणा के पैरा 60 के तहत की गई थी। जिसके अनुरूप, सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2027-28 की अवधि के दौरान 990.00 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय व्यय के साथ तीन एआई उत्कृष्टता केंद्रों के निर्माण को मंजूरी दी है। तीनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्रों का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार को नई दिल्ली में करेंगे। ये केंद्र स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और स्थाई शहरों से जुड़े विषयों पर हैं। 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित इन तीनों उत्कृष्टता केंद्रों को शुरू किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी. एल. टॉवर 3-ए- विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित व प्रकाशित, निदेशक बी.एम. शर्मा, संपादक महेंद्र कुमार यादव, फोन : 0141-2709102, 2944103,
डाक पं.सं. / जेपीसी/012/2024-26 आरएनआई नंबर-: 48401/88 Email- sjdjp01@yahoo.co.in, Jyoti.sandhya@gmail.com